सोमवार
09 अक्टूबर 2023

पृष्ठ 4
फ्रोजन शोल्डर हो सकता है कंधे का दर्द, खासतौर पर रखें इन बातों का ध्यान

पृष्ठ 5
टीवी अभिनेत्री पलक पुरसवानी संगीत की दुनिया में दिखायेंगी जलवा

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 240
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

जल में मीन का मौन है, पृथ्वी पर पशुओं का कोलाहल और आकाश में पंछियों का संगीत पर मनुष्य में जल का मौन पृथ्वी का कोलाहल और आकाश का संगीत सब कुछ है।
—रवींद्रनाथ ठाकुर

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

पांच राज्यों में विस चुनाव की तारीखों का ऐलान

राजस्थान, एमपी, छत्तीसगढ़, मिजोरम और तेलंगाना में होंगे चुनाव

हमारे संवाददाता

दिल्ली। राजस्थान और मध्य प्रदेश सहित भारत के पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव का बिगुल बज चुका है। राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ, मिजोरम और तेलंगाना में विधानसभा चुनाव कराने के लिए भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने आज तारीखों का ऐलान करते हुए चुनाव कार्यक्रम की घोषणा कर दी है।

दिल्ली के रंगभवन आडोटोरियम में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, मिजोरम और तेलंगाना में विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग पिछले छह महीने से चुनाव की तैयारी कर रहा था। चुनाव आयोग की टीमों ने घर घर जाकर वोटर लिस्ट चेक की है। उन्होंने बताया कि इस बार 60.02 लाख युवा वोटर पहली बार वोट डालेंगे, जबकि 7 करोड़ महिला वोटर भी बढ़ी है। उन्होंने बताया कि एमपी में 5.6 करोड, छत्तीसगढ़ में 2.3 करोड़, राजस्थान में 5.25 करोड, मिजोरम में 8.25 करोड वोटर है। 5 राज्यों में कुल 16.14 करोड वोटर और 679 विधानसभा सीटें हैं।

मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने बताया कि मतदान के लिए 1.77 लाख पोलिंग स्टेशन बनाए जाएंगे। प्रति पोलिंग स्टेशन पर 1500 मतदाताओं के मतदान की सुविधा होगी। मध्य प्रदेश में 5.6 करोड़, राजस्थान में 5.25 करोड़, तेलंगाना में 3.17 करोड़, छत्तीसगढ़ में 2.03 करोड़ और मिजोरम में 8.52 लाख मतदाता हैं। मध्य प्रदेश में आदिवासियों के लिए आरक्षित वन क्षेत्रों में मतदान केंद्र स्थापित किए जाएंगे। मिजोरम में मतदान दल 22 गैर मोटर पीएस और 19 मतदान केंद्रों पर उन्हें नाव से यात्रा करना होगा।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार द्वारा जारी किए गए कार्यक्रम के अनुसार मिजोरम में 7 नवंबर को मतदान होगा। मध्य प्रदेश में 17 नवंबर मतदान होगा। राजस्थान में 23 नवंबर को मतदान होगा। छत्तीसगढ़ में दो चरणों में मतदान होगा। यहां पर 7 व 17 नवंबर को मतदान कराया जाएगा। तेलांगना में 30 नवंबर को मतदान संपन्न कराया जाएगा। जिसके बाद सभी पांचों राज्यों में 3 दिसंबर 2023 को चुनावी नतीजे घोषित किए जाएंगे।

पत्नी की हत्या कर जंगल में शव फेंकने वाला गिरफ्तार

संवाददाता

हरिद्वार। चाल चलन पर शक होने पर पत्नी की हत्या कर शव को जंगल में फैकने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 29 सितम्बर पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि हिल बाईपास रोड रबर फैक्ट्री के सामने जंगल में करीब 500 मीटर अंदर एक महिला का शव पड़ा है। सूचना मिलते ही चौकी प्रभारी औद्योगिक क्षेत्र नरेंद्र सिंह रावत, कोतवाली नगर भावना कंथोला, रमेश कुमार सैनी फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। घटनास्थल पर एक महिला का शव अर्धनग्न अवस्था में पड़ा हुआ था। प्रथम दृष्ट्या महिला को उसी के पहने कपड़े व नाड़े से गला घोंट कर मारा गया था। घटनास्थल के आसपास तलाश करते हुए महिला की शिनाख्त के प्रयास किये गये लेकिन घटनास्थल पर घटना के संबंध में कोई महत्वपूर्ण साक्ष्य नही मिल पाया। महिला संबंधी घटनाक्रम की जानकारी मिलते ही प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए एसएसपी हरिद्वार प्रमेन्द्र डोबाल द्वारा महिला की शिनाख्त कराने के निर्देश दिये।

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

समुद्र किनारे दुकानों में बिकना चाहिए फिश करी और चावल

गोवा। गोवा के पर्यटन मंत्री रोहन खौंटे ने कहा कि समुद्र तटों पर दुकानों को अब अनिवार्य रूप से अन्य भारतीय और अंतरराष्ट्रीय व्यंजनों के साथ-साथ राज्य का मुख्य भोजन 'मछली करी-चावल' भी परोसना होगा।

उन्होंने कहा कि यहां के व्यंजनों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से तीखे और मसालेदार स्वाद के लिए पसंदीदा नारियल आधारित व्यंजन को मेनू में अनिवार्य रूप से शामिल करना राज्य की नई शेक नीति का हिस्सा है। पर्यटन मंत्री ने कहा कि अब तक तटरेखा के किनारे स्थित दुकानों में उत्तर भारतीय भोजन मिलता था, लेकिन गोवा के व्यंजन इन स्थानों पर उपलब्ध नहीं थे। उन्होंने कहा कि शैक नीति, जिसे हाल ही में कैबिनेट द्वारा पारित किया गया था, जिसका इरादा समुद्र तटों पर अवैध फेरीवालों और वेंडिंग की चुनौती का समाधान करने का भी है। मंत्री ने कहा कि सरकार ने अब दुकानों के लिए मछली करी-चावल सहित गोवा के भोजन को प्रदर्शित करना और परोसना अनिवार्य कर दिया है। कई महिलाएं, जो पहले समुद्र तटों पर अवैध रूप से फेरी लगाने और वेंडिंग में शामिल थीं, वे पर्यटन विभाग के अधिकारियों द्वारा पकड़े जाने पर, दुकानों में काम करने का नाटक करती थीं। उन्होंने आगे कहा कि नई नीति में यह अनिवार्य किया गया है कि प्रत्येक दुकान को अपने कर्मचारियों की सूची विभाग को सौंपनी होगी और समुद्र तटों पर अवैध गतिविधियों में शामिल लोगों को कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा।

अफगानिस्तान में भूकंप से 2500 की मौत! 1000 से अधिक घर जमींदोज

काबुल। तालिबान प्रशासन ने रविवार को कहा कि अफगानिस्तान में भूकंप में 2,400 से अधिक लोग मारे गए हैं, जो पिछले कुछ वर्षों में भूकंप-प्रवण पहाड़ी देश में आए सबसे घातक झटके हैं।

जियोलॉजिकल सर्वे ने कहा कि देश के पश्चिम में शनिवार को आए भूकंप हेरात शहर के उत्तर-पश्चिम में 35 किमी (20 मील) दूर तक आए, जिसकी तीव्रता 6.3 थी।

बता दें कि, फरवरी में तुर्की और सीरिया में आए भूकंपों में अनुमानित 50,000 लोगों की मौत के बाद, वे इस साल दुनिया के सबसे घातक भूकंपों में से एक थे। आपदा मंत्रालय के प्रवक्ता जनान सईक ने कहा कि मरने वालों की संख्या बढ़कर 2,445 हो गई है, लेकिन उन्होंने घायलों की संख्या को संशोधित कर '2,000 से अधिक' कर दिया है। इससे पहले उन्होंने कहा था कि 9,240 लोग घायल हुए हैं। सईक ने यह भी कहा कि 1,320 घर क्षतिग्रस्त या नष्ट हो गए हैं।

रेड क्रिसेंट द्वारा रविवार को पहले बताई गई रिपोर्ट में मरने वालों की संख्या 500 से अधिक हो गई।

दून वैली मेल

संपादकीय

पहली बार 100 के पार

एशियाई खेलों के इतिहास में पहली बार 100 के पार जाकर भारत ने एक नया इतिहास रच डाला है। 107 पदकों के साथ इस बार भारत चौथे स्थान पर रहा, इससे पूर्व एशियाई खेलों में उसने 70 से अधिक पदक कभी नहीं जीते थे। खास बात यह है कि यह करिश्मा भारत ने एथलीटों, निशानेबाजों और तीरंदाजों के दम पर करके दिखाया है। जिन्होंने कुल पदकों में से 56 फीसदी पदक भारत की झोली में डालें। 28 स्वर्ण, 38 रजत और 41 कांस्य पदक हैं। यह गर्व की बात है कि भारत को सौंवा पदक स्वर्ण पदक के रूप में देश की बेटियों ने दिलवाया। इस पूरी प्रतियोगिता में बेटियां जिस तरह से बेटों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर लड़ी और उन्होने 46 पदक अपने नाम किया जबकि बेटों ने 52 पदक दिलाए वही 9 पदक मिश्रितों में बेटियों का योगदान रहा वह उनके हौसलों की उड़ान का प्रतीक ही नहीं अपितु भावी पीढ़ी के लिए हमेशा प्रेरणादायी रहेगा। इन प्रतियोगिताओं में भारत ने कई सारे रिकॉर्ड बनाए हैं। भारतीय महिला कबड्डी टीम और क्रिकेट टीम ने पहली बार स्वर्ण पदक जीते। भारतीय तीरंदाजो ने रिकॉर्ड 9 पदक जीते। इसके अलावा सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत ने कई पदक विश्व रिकॉर्ड तोड़कर जीते। भाला फेंकने में नीरज चोपड़ा और जैना ने स्वर्ण तथा रजक दोनों पदकों को अपने नाम किया। एशियाई खेलों में भारत के इस उत्कृष्ट प्रदर्शन से न सिर्फ भावी पीढ़ी के खिलाड़ियों का उत्साह वर्धन होगा बल्कि नई खेल योजनाओं को बनाने में भी मदद मिलेगी। भले ही देश में अभी खेल और खिलाड़ियों के लिए बहुत अधिक सुविधा और संसाधन उपलब्ध न सही लेकिन खिलाड़ियों के इस प्रदर्शन ने भविष्य के रास्तों को जरूर खोल दिए हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि आने वाले समय में भारत का यह खेल प्रदर्शन लगातार सुधार को जारी रखने में सहायक सिद्ध होगा। भारत के प्रदर्शन पर न सिर्फ राष्ट्रपति ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी हैं बल्कि प्रधानमंत्री मोदी ने भी अपनी खुशी का प्रदर्शन करते हुए कहा है कि एथलेटिक्सों के ऐतिहासिक प्रयास से मिली इस सफलता से उनका सीना चौड़ा हो गया है। इस प्रतियोगिता के अंतिम दिन तक पदकों की बरसात का सिलसिला जारी रहा। मेंहुली, रमता और आशी ने 10 मीटर एयर रॉयल में रजत के साथ पहला पदक जीतकर जो शुरुआत पहले दिन की थी वह खेल प्रतियोगिता के अंतिम दिन 6 स्वर्ण सहित 12 पदक जीतने के साथ समाप्त हुई निश्चित तौर पर खेल जगत के इतिहास में कल का दिन देश के लिए स्वर्णिम इतिहास वाला दिन रहा है। रिकॉर्ड टूटने के लिए ही बनते हैं भारत ने 27 साल बाद यह रिकॉर्ड बनाया है कल एशियाई खेलों के अलावा वनडे विश्व कप के इतिहास में एक नया अध्याय लिखा गया जब कोटला के मैदान पर खेलते हुए दक्षिण अफ्रीका की क्रिकेट टीम ने चौको छक्को की बरसात करते हुए रिकॉर्ड 428 रन बना डाले। साउथ अफ्रीका की टीम ने ऑस्ट्रेलिया के 12 साल पुराने 417 के रिकॉर्ड को तोड़ डाला। कल खेले गए इस मैच में साउथ अफ्रीका के तीन खिलाड़ियों ने शतक लगाकर एक नया इतिहास रचा गया श्रीलंका इसके जवाब में सिर्फ 326 रन पर ही ढेर हो गई। अब देखना होगा कि 15 साल के रिकॉर्ड को तोड़ने वाली साउथ अफ्रीका टीम के इस 428 रनों के रिकॉर्ड को टूटने में कितने साल लगते हैं।

मलिन बस्तियों को मिले मालिकाना हक: लालचंद

संवाददाता

देहरादून। पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचंद शर्मा ने कहा कि मलिन बस्तियों को उनका मालिकाना हक दिया जाना चाहिए।

आज यहां पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचंद शर्मा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी लंबे समय से मलिन बस्तियों के मालिकाना हक की मांग कर रही है। यह अच्छी बात है कि नगर निगम ने बस्तियों पर टैक्स लगाने की प्रक्रिया फिर से शुरू की है, परन्तु कांग्रेस की आपत्ति इस बात की है कि हाउस टैक्स लगाने में बस्ती के लोगों से जो शपथ पत्र मांगा जा रहा है, उसके नियमों में काफी जटिलता है। निगम द्वारा टैक्स तो लगाया जा रहा है परन्तु स्पष्ट किया है कि बस्ती के लोगों को मालिकाना हक का अधिकार नहीं होगा साथ ही उन्हें शासन और नगर निगम की ओर से जारी आदेश मानने के लिए बाधित होना पड़ेगा। बस्ती के लोगों को शपथ पत्र में ये लिखकर देना होगा कि बिजली और पानी के कनेक्शन उनके नाम पर है और उनके आधार कार्ड व अन्य पहचान पत्र इसी संपत्ति के नंबर से जारी है।

सना च सोम जेषि च पवमान महि श्रव:।
अथा नो वस्यसस्कृधिघ
(ऋग्वेद ९-४-१)

दिव्य सोम हमारे जीवनों को पवित्र करता है। हमें जीवन के साधन उपलब्ध कराता है और हमारे शत्रुओं (काम, क्रोध, लोभ, मोह, आदि) पर विजय दिलाता है। हमारी मुक्ति का मार्ग प्रशस्त करता है।

Divine Soma purifies our lives- Provides us with the means of life and gives us victory over our enemies (lust] anger] greed] attachment] etc-)- Paves the way for our salvation

- (Rig Ved 9&4&1)

परमात्मा द्वारा सौंपे गए रूहानी उपहार...

संत राजिंदर सिंह जी महाराज

अपना जीवन जीते हुए हममें से बहुत से लोगों को यह लगता है कि परमात्मा हमें भूल गए हैं या उन्होंने हमें छोड़ दिया है। हम अपने जीवन में परमात्मा की मौजूदगी को महसूस नहीं करते। कुछ लोग तो परमात्मा के अस्तित्व को ही नकारते हैं क्योंकि हम बाहर की दुनिया में इतना खोए हुए हैं कि हमारे आंतरिक जीवन में क्या हो रहा है इसका हमें पता ही नहीं चलता।

संत महापुरुष हमें समझाते हैं कि आध्यात्मिक तौर पर हम सब खुशकिस्मत हैं क्योंकि हमारी आत्मा परमात्मा का अंश है। हममें से प्रत्येक को परमात्मा प्राप्ति का एक सुनहरा अवसर दिया गया है। हममें से बहुत से लोग अपने ध र्म-स्थानो पर जाने और शौक पढ़ने तक ही रह जाते हैं। उनके लिए यह परमात्मा से जुड़ने की शुरुआत है।

हमारे यह बाहरी धार्मिक कार्य हमें परमात्मा के बारे में याद करने परमात्मा की पूजा करने और परमात्मा की स्तुति गाने का समय प्रदान करते हैं। यह सभी हमारा ध्यान परमात्मा की ओर करते हैं। हालांकि हमारी आत्मा को सीधा परमात्मा का अनुभव करने के लिए इन बाहरी कार्यों जैसे धर्म ग्रंथ पढ़ने और परमात्मा की पूजा करने से कुछ और अधिक करने की आवश्यकता है।

जब हम अपने अंदर परमात्मा को पाने की जरूरत को महसूस करते हैं और हम उस दिव्य चिंगारी का प्रत्यक्ष अनुभव पाने के लिए उत्सुक हो जाते हैं। तब हम परमात्मा की खोज शुरू कर देते हैं।

परमात्मा अति दयालु है। वह हम पर इतनी दया मेहर करते हैं कि हम वक्त के किसी आध्यात्मिक गुरु के चरण कमल तक पहुंच जाते हैं। पिता परमेश्वर और एक पूर्ण गुरु में कोई भी फर्क नहीं होता। वह हमें परमात्मा के घर वापस जाने का रास्ता दिखाते हैं। आध्यात्मिक सतगुरु का मिलना एक बहुत बड़ी खुश किस्मती है। सतगुरु मिलने के हमें कई फायदे होते हैं।

पहले सतगुरु हमें नाम दान देते हैं ताकि हम प्रभु की ज्योति और श्रुति का अनुभव कर सके। सतगुरु आंतरिक रूहानी मंडलों में हमारी आत्मा के मार्गदर्शक होते हैं। हमारी परेशानियों में

मदद करने के लिए सतगुरु एक मित्र एवं साथी की तरह होते हैं। वह हमें रोजाना ध्यान अभ्यास करना, नैतिक जीवन जीना, निष्काम सेवा करना, परमात्मा से प्रेम, पूरी सृष्टि से प्रेम और सत्संग सुनने के लिए हमें प्रेरित करते हैं। यह सारी आदतें हमें नए कर्म बनने से हमें बचाती है।

जब हम आध्यात्मिक रास्ते पर तरक्की करते हैं तो हमें यह अनुभव हो जाता है कि जीवन मात्र शारीरिक और वस्तुओं की सुख सुविधाओं से कहीं अधिक है। जीवन के कई पहलू हैं जिनके लिए हमें शुक्र गुजार होना चाहिए। कई लोग परमात्मा से अपना नाता जाने बगैर ही इस दुनिया से चले जाते हैं।

संत महात्मा प्राचीन काल से हमें बताते हैं कि इंसान और पशुओं में यही अंतर है कि इंसान अपने सच्चे रूहानी स्वरूप को जान सकता है। परमात्मा लगातार हमें वापस बुलाने की उम्मीद से हमें संदेश भेजते रहते हैं। परमात्मा संतो को इस धरती पर भेजते हैं ताकि वह मानव जाति को वापस अपने सच्चे घर जाने के लिए जागरूक करें।

कुछ लोग अपनी शारीरिक मानसिक और बौद्धिक जरूरत को पूरा करने में ही व्यस्त रहते हैं। लेकिन कुछ लोग जीवन और मृत्यु के रहस्य पर प्रश्न उठाते हैं। जब उनमें प्रश्नों के उत्तर पाने की एक सच्ची चाह पैदा होती है तब परमात्मा उस आत्मा को जवाब देने के लिए उसका मार्गदर्शन करते हैं। हम कौन हैं परमात्मा कहां है और जीवन का उद्देश्य क्या है यदि हमने ऐसे प्रश्न पूछे हैं तो हमें परमात्मा का आभार प्रकट करना चाहिए। यदि परमात्मा ने हमें सद्गुरु से मिलाया है तब हमें अपनी कृतज्ञता व्यक्त करनी चाहिए। एक बार जब हम सतगुरु की सुरक्षित छत्रछाया में आ जाते हैं तब हमारी आवागमन से मुक्ति सुनिश्चित हो जाती है। हमारी आत्मा रूहानी खजाने से भरपूर है। जिसका अनुभव करने के लिए हमें अंतर में जाना होगा।

हमारे अंतर में इस भौतिक दुनिया की किसी भी चीज से कई अधिक चमत्कारिक और प्रभावशाली ज्योति है। हमारे अंतर में इस दुनिया के किसी भी सर्वश्रेष्ठ संगीतकार से कहीं अधिक उभार देने वाला संगीत मौजूद है।

हमारे अंदर आंतरिक ज्योति और श्रुति की ऐसी किरणें आती हैं जो हमें इतनी खुशी से भर देती हैं जिसकी हमने कभी कल्पना भी नहीं की होगी। परमात्मा की तरफ कृतज्ञता प्रकट करने का पहला तरीका है कि हम ध्यान अभ्यास द्वारा इस ज्योति और श्रुति की सौगात का अनुभव करें। कृतज्ञता प्रकट करने का दूसरा तरीका है कि हम इस दिव्य प्रेम की चिंगारी को औरों के साथ भी बाटें। हम अपने दिल से नफरत पक्षपात और कट्टरता को निकाल दें।

हम परमात्मा की रचना को अपने हृदय में स्थान दे। जब हम सभी से प्रेम करते है तो हम सिर्फ देते और बांटते है हम अपने दरवाजे से किसी जरूरतमंद को वापिस नहीं करते। सभी को अपना भाई बहन, संतान और माता पिता की तरह समझे। कृतज्ञता व्यक्त करने का तीसरा तरीका है उस ईश्वर के अस्तित्व को स्वीकार करना।

हम सोचते है कि विज्ञान और अध्यात्म में अंतर है लेकिन महान विज्ञानिकों ने भी प्रभू के अस्तित्व को स्वीकार किया है। जब हम एक तस्वीर बनाते है गीत बनाते है नये पदार्थ बनाते है या कोई नई कविता बनाते है तो हम सोचते है कि हम कितने महान है।

हम यह भूल जाते है कि जिसने यह खूबसूरत सृष्टि बनाई है वो कितना महान होगा। यदि हम कृतज्ञता और नम्रता को धारण कर लें तब हम परमात्मा का हर क्षण हर सांस में धन्यवाद करेगें। हम परमात्मा की सृष्टि की सेवा करके या उनके द्वारा दिये गये उपहारों को पूरी कायनात के साथ बांट कर प्रभू के प्रति अपना आभार प्रकट कर सकते है।

संयुक्त नागरिक संगठन ने निर्वाचन आयोग के निर्देशों का स्वागत किया

संवाददाता

देहरादून। संयुक्त नागरिक संगठन ने निर्वाचन आयोग द्वारा उम्मीदवारों की अपराधिक पृष्टभूमि उजागर करने के निर्देशों का स्वागत कर प्रसन्नता व्यक्त की।

आज यहां मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ सहित पांच राज्यों के आगामी विधानसभा चुनावो में दागी उम्मीदवारों पर लगाम को लेकर,उम्मीदवारों की अपराधिक बैकग्राउंड की जानकारी तीन बार अखबारों और टेलीविजन के माध्यम से प्रकाशित करने की बाध्यता पर, जारी भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशो का संयुक्त नागरिक संगठन की ओर से प्रसन्नता प्रकट की गयी है।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त को प्रेषित पत्र मे राजनीतिक दलों की बाध्यता कि वे लिखकर बतायेंगे कि उन्होंने आपराधिक पृष्ठभूमी के उम्मीदवार को ही टिकट क्यों दिया? तथा क्या वहां कोई और उम्मीदवार उपलब्ध नहीं था पर भी प्रसन्नता जाहिर करते हुए संगठन के सचिव सुशील तयागी ने सुझाव दिया है कि घोषणा पत्र में किए गए वादों को पूरा न कर पाने,जन अपेक्षाओं के अनुसार अपना दायित्व का निर्वाह न करने वाले और उच्च न्यायालय में दाखिल जनहित की याचिकाओं में पारित आदेशों के क्रियान्वयन में असफल रहने वाले जनप्रतिनिधियों को भी ऐसे ही दायरो मे लाना जरूरी है तभी हम प्रजातंत्र मे ईमानदार,चरित्रवान,नैतिकता से युक्त उम्मीदवारो का चयन करने में सफल हो सकते हैं।

बालों के लिए टॉनिक का काम करता है नारियल तेल

नारियल का तेल न सिर्फ त्वचा की दिक्कत दूर करने हेतु लाभदायक होता है, बल्कि ये आपके बालों के लिए भी टॉनिक का काम करता है। दरअसल नारियल के तेल में लॉरिक एसिड मौजूद होता है, जो बालों को अच्छे से प्रोटीन पहुंचाता है।

ये तेल बालों की जड़ों तक सुरक्षा करने का कार्य करता है। यदि आपको बालों के टूटने की दिक्कत है, तो नारियल के तेल का इस्तेमाल कीजिए। नारियल के तेल में मौजूद एंटीऑक्सिडेंट बालों को हेल्थी बनाता है, बल्कि बालों की ग्रोथ में भी वृद्धि करता है। जानें किस प्रकार से लाभदायक है नारियल का तेल

नारियल के तेल में लॉरिक एसिड मौजूद होता है, जो बालों को प्रोटीन प्रदान करता है। बालों की जड़ों की रक्षा करता है एवं उन्हें टूटने से रोकने का कार्य करता हैं।

यदि आप बालों की डैंड्रफ से परेशान हो रहे हैं तो नारियल तेल से मसाज कीजिए। डैंड्रफ की परेशानी दूर करने में यह तेल काफी असरदार साबित होता है।

अगर आपके बाल रूखे और बेजान होते हैं, तो रात को इस तेल से बालों की मसाज कीजिए। अगले दिन बालों को अच्छे से धो डालिए। इससे आपके बालों को पूरा पोषण प्राप्त होगा।

यदि आप तनाव तथा टेंशन में रहते हैं तो सिर की नारियल के तेल से मसाज कीजिए। इस तेल की मसाज रक्त संचार बढ़ाने में सहायक होती है। (आरएनएस)

नहाते समय रखें पांच बातों का ध्यान पास नहीं फटकेंगी बीमारियां

कोरोना काल में स्वस्थ रहने के लिए आपको अपने शरीर की साफसफाई ध्यान रखना भी जरूरी है। शरीर की साफसफाई के लिए प्रतिदिन नहाना चाहिए। नहाते समय शरीर के इन पांच हिस्सों की सफाई में हमारा ध्यान नहीं जाता है। इन हिस्सों की साफसफाई भी बहुत जरूरी है।

महिलाएं नहाते समय रोज अपने बाल नहीं धोती हैं, परंतु पुरुष रोज अपने बालों को धोते हैं। महिलाएं जब भी अपने बालों को धोएं तो अच्छे से शैंपू का इस्तेमाल करें। अगर आप बालों को सही तरीके से साफ नहीं करेंगे तो आपको बालों से जुड़ी कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

नहाते समय हम गर्दन की साफसफाई पर ध्यान नहीं देते हैं। गर्दन की साफसफाई न करने से स्किन से संबंधित एलर्जी हो सकती है। हफ्ते में दो से तीन बार गर्दन की सफाई अवश्य करें।

नाखूनों की साफसफाई भी जरूरी है। नाखूनों की गंदगी से भी कई तरह की बीमारियों का खतरा रहता है। हफ्ते में एक बार नहाते समय नाखूनों को सही तरीके से साफ करने की आदत बना लें। नहाते समय नाभि की सफाई करना न भूलें। आप नाभि को साफ करने के लिए रुई का इस्तेमाल भी कर सकते हैं। रुई को हल्के गरम पानी में भीगाकर नाभि को आसानी से साफ किया जा सकता है। नहाते समय पीठ की सफाई करना न भूलें। रोजाना पीठ को साफ करने से स्किन संबंधित समस्याओं से बचा जा सकता है। रोज नहीं भी करें तो हफ्ते में दो से तीन बार नहाते समय पीठ की सफाई अवश्य करें।

ईयररिंग्स की बेहतरीन वैरायटी लुभा रही हैं महिलाओं को

जब भी महिला की ईयररिंग्स की बात आती है तो कुछ महिलाएं अधिकतर गोल्ड या डायमंड के ईयररिंग्स को पहनना ही पसंद करती है। यकीनन इस तरह के ईयररिंग्स काफी महंगे होते हैं और देखने में भी अच्छे लगते हैं। लेकिन यह जरूरी नहीं है कि आप हर बार इसे ही अपने स्टाइल का हिस्सा बनाएं।

दरअसल, इन दिनों मार्केट में आपको ईयररिंग्स की कई बेहतरीन वैरायटी देखने को मिल जाएगी। इन ईयररिंग्स की मदद से आप खुद का एक स्टाइल स्टेटमेंट क्रिएट कर सकती हैं। इन ईयररिंग्स में आपको छोटे ईयररिंग्स से लेकर काफी बड़े साइज में ईयररिंग्स मिल जाएंगे। जिन्हें डिफरेंट तरीके से स्टाइल करके पहना जा सकता है। आज हम आपको इन डिफरेंट स्टाइल ईयररिंग्स के बारें में बताएंगे, चलिए जानते है..

स्टड ईयररिंग्स आमतौर पर साइज में छोटी होती है और इसलिए इन्हें कई तरह से पहना जा सकता है। आप चाहें तो इसे केजुअल में ऐसे ही पहनें या फिर एक ब्यूटीफुल नेकपीस के साथ स्टड ईयररिंग्स को टीमअप करें।

ईयरकफ ईयररिंग्स का एक ऐसा डिजाइन है, जिसे पिछले काफी समय से पसंद किया जाने लगा है। ये इयर कफ आपको एक स्टाइलिश लुक देते हैं और मार्केट में यह आपको अलगअलग शेप, थीम और डिजाइन में उपलब्ध हैं। हग्गी इर्यररिंग वास्तव में हूप्स ईयररिंग्स का ही एक छोटा वर्जन है, जो आपके ईयरलोब के करीब होता है। हग्गी ईयररिंग्स आपके कान को कवर करते हैं।

हूप्स ईयररिंग्स आमतौर पर किसी भी मेटल के बने हुए सर्कुलर बैंड की तरह होते हैं। यह देखने में एक बिग रिंग की तरह नजर आते हैं और देखने में काफी स्टाइलिश लगते हैं। चूंकि यह वजन में काफी हल्के होते हैं, इसलिए इन्हें काफी आसानी से पहना जा सकता है। ड्रॉप ईयररिंग एक स्मॉल राउंड या पर्ल शेप्ड ड्रॉप की तरह होता है, जो पूरे कान की बाली के नीचे लटकता है। यह आपको एक डिफरेंट और क्लासी लुक देता है और किसी भी पार्टी में आप इसे पहनकर अपना स्टाइल फ्लॉन्ट कर सकती हैं। (आरएनएस)

भारत-कनाडा के संबंध निम्न स्तर पर आये

डॉ. एनके सोमानी

कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के बयान ने भारत-कनाडा संबंधों को इतिहास के सबसे निम्न स्तर पर ला दिया है। हाउस ऑफ कॉमन्स में ट्रूडो ने जिस तरह से खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत की कथित संलिप्तता की बात कही है, उससे भारत-कनाडा संबंधों में तल्खी इस हद तक बढ़ गई है कि दोनों देश कूटनीतिक आक्रामकता पर उतर आए हैं। बात राजनयिकों से देश छोडऩे और नागरिकों के लिए परामर्श जारी करने भर तक नहीं रुकी। भारत ने तो सख्त कदम उठाते हुए कनाडाई लोगों के लिए वीजा प्रक्रिया भी रोक दी है। कनाडा से पहले इस तरह की कूटनीतिक तनातनी केवल पाकिस्तान के साथ ही रही है।

खालिस्तान का मसला भारत-कनाडा संबंधों में दरार की बड़ी वजह रहा है। भारत कनाडा सरकार से कहता रहा है कि खालिस्तानियों की गतिविधियों और उनकी फंडिंग पर रोक लगाए। लेकिन ट्रूडो सरकार ने कभी संज्ञान नहीं लिया। नतीजा यह हुआ कि कनाडा की जमीन से खालिस्तानी डायस्पोरा खुले आम भारत को चुनौती देने लगे हैं। निज्जर सिख फॉर जस्टिस में नंबर दो की हैसियत रखता था। भारत विरोधी गतिविधियों में संलिप्त होने के कारण भारत ने 2019 से ही इस संगठन को प्रतिबंधित किया हुआ है। निज्जर खालिस्तान टाइगर फोर्स के नाम से भी एक गुट चलाता था। इस गुट के जरिए वह कनाडा से बाहर अमेरिका, स्विट्जरलैंड ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन जैसे देशों में स्वतंत्र खालिस्तानी राष्ट्र की मुहिम चला रहा था। जून में कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत के एक गुरुद्वारा परिसर में हुई गैंगवार में उसकी हत्या हो गई। ट्रूडो सरकार ने जांच समिति का गठन कर मामले की पड़ताल शुरू की। समिति की जांच अभी तक पूरी नहीं हुई है, और न ही समिति ने कोई रिपोर्ट सरकार को दी है। लेकिन ट्रूडो ने निज्जर की हत्या में भारत की संलिप्तता की बात कह कर मामले को तूल दे दिया।

हालांकि, कनाडा ने अपने आरोपों के संबंध में कोई सबूत साझा नहीं किया है लेकिन कनाडाई मीडिया से आ रहीं खबरों के मुताबिक निज्जर की हत्या में भारत की संलिप्तता के आरोपों की खुफिया जानकारी ओटावा के 'फाइव आईज'(एंग्लोफोन इंटेलीजेंस शेयरिंग एग्रीमेंट) खुफिया नेटवर्क के एक सहयोगी देश से मिली सूचनाओं पर आधारित है। इस नेटवर्क में कनाडा, अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड शामिल हैं। सवाल है कि 'फाइव आईज' के किस देश ने कनाडा को यह कथित जानकारी दी है। दूसरा, जो जानकारी कनाडा को दी गई है, वो कितनी सत्य और विसनीय है, और उसकी सूचना का स्रेत क्या है। नेटवर्क में सम्मिलित देशों के साथ भारत के हमेशा से अच्छे संबंध रहे हैं। कहीं ऐसा तो नहीं कि कनाडा इन देशों के साथ भारत के संबंधों में किसी तरह की गलतफहमी डालना चाहता हो।

ब्रिटेन ने कनाडा के आरोप को गंभीर बताया है। यह भी कहा है कि इस विषय पर ब्रिटेन की भारत के साथ चल रही व्यापार संबंधी चर्चा पर असर नहीं पड़ेगा। ऑस्ट्रेलिया ने आरोपों पर चिंता तो व्यक्त की है पर उसकी तरफ से भारत को असहज करने वाली कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। न्यूजीलैंड विवाद को दूर से देख रहा है। रही बात अमेरिका की तो अमेरिका भारत से जांच में सहयोग करने का अनुरोध कर रहा है। हालांकि, न्यूयॉर्क टाइम्स ने सूत्रों के हवाले से कहा है कि अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने कनाडा के अधिकारियों को ऐसी जानकारी उपलब्ध करवाई है, जिससे कनाडा को यह निष्कर्ष निकालने में मदद मिली कि इसमें भारत का हाथ है। तो क्या अमेरिका भारत-कनाडा संबंधों में कोई एंगल तलाश रहा है। 2018 में ट्रूडो की भारत यात्रा के दौरान द्विपक्षीय बैठक में भी भारत ने यह मुद्दा उठाया था कि कनाडा भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप कर रहा है। 2020 में किसान आंदोलन के दौरान भी ट्रूडो और उनकी सरकार की तरफ से बयानबाजी की गई। भारतीय राजनयिकों की हत्या करने की धमकी देने और भारत के वाणिज्य दूतावास पर हमला करने के बावजूद ट्रूडो सरकार ने अपने यहां पल रहे अलगाववादियों के खिलाफ ऐसा कोई कदम नहीं उठाया जिससे भारत को भरोसा हो सके कि उसकी मांग पर कनाडा सरकार गंभीर है।

सवाल यह है कि ट्रूडो ऐसा क्यों कर रहे हैं? एक हत्या को लेकर जिसका कोई एविडेंस नहीं है, ट्रूडो भारत के साथ संबंधों को दांव पर लगा रहे हैं। कनाडा की घरेलू राजनीति में झांकें तो इसका कारण नजर आता है। कनाडा में सिख समुदाय के आठ लाख से अधिक लोग रहते हैं। यह कनाडा की कुल आबादी का 2.1 प्रतिशत है। ऐसे में कनाडा की कोई भी पार्टी सिख डायस्पोरा को नाराज नहीं करना चाहती। इसमें ट्रूडो और उनकी लिबरल पार्टी दो कदम आगे ही हैं। उन्होंने अपनी कैबिनेट में कई महत्त्वपूर्ण पदों पर सिख समुदाय से जुड़े लोगों को नियुक्त किया है। महंगाई, बेरोजगारी और संसाधनों की उपलब्धता में कमी के कारण कनाडा में ट्रूडो की लोकप्रियता लगातार कम हो रही है।

जुलाई, 2022 के एक सर्वे में ज्यादातर कैनेडियन ने कहा था कि वह पिछले 55 साल के सबसे खराब प्रधानमंत्री हैं। ऐसे में अलगाववादियों को लेकर ट्रूडो की नरम नीति अब उन्हें पूरी तरह से खुले आम समर्थन देने में तब्दील हो गई है। दूसरा ट्रूडो की सरकार इस समय बैसाखी के सहारे पर है। वे न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी के सहयोग से सरकार चला रहे हैं। किसी से छुपा नहीं है कि इस पार्टी के नेता जगमीत सिंह खालिस्तान समर्थक रैलियों में हिस्सा लेते रहे हैं। साफ है कि ट्रूडो ने सिख वोट बैंक के तुष्टिकरण के लिए भारत के खिलाफ विष वमन किया है। लेकिन ट्रूडो शायद नहीं जानते कि घरेलू राजनीति के लिहाज से विदेश नीति नहीं चलती है। कनाडा में करीब 13 लाख भारतवंशी रहते हैं। दोनों देशों के बीच करीब 8 अरब डॉलर का कारोबार है। भारत कनाडा का दसवां सबसे बड़ा व्यापारिकसाझेदार है। हाल में कनाडा ने हिन्द-प्रशांत क्षेत्र के लिए जो रणनीति जारी की है, उसमें भारत को अहम साझेदार माना है। दोनों देश मुक्त व्यापार समझौते की दिशा में भी बढ़ रहे हैं। अब भारत ने भी जिस तरह से सख्त कदम उठाते हुए वीजा प्रक्रिया रोक कर कनाडाई लोगों को आइसोलेट किया है, उसे देखते हुए भारत और कनाडा, दोनों के लिए इस मसले का हल आसान नहीं है।

जल्द शुरू होगी क्राइम थ्रिलर फिल्म ब्लडी डैडी की शूटिंग

अपनी क्राइम थ्रिलर फिल्म ब्लडी डैडी के लिए शाहिद कपूर काफी चर्चा में रहे थे।इसके बाद शाहिद के मलयालम निर्देशक रोशन एंड्रूज के साथ एक अन्य क्राइम थ्रिलर फिल्म कोई शक के लिए हाथ मिलाने की खबर थी। लंबे समय से फिल्म के प्री-प्रोडक्शन पर काम हो रहा है।अब फिल्म को लेकर नई जानकारियां सामने आई हैं। फिल्म की शूटिंग जल्द शुरू होने वाली है। फिल्म में शाहिद के किरदार को लेकर भी ताजा जानकारी आई है। इस फिल्म का निर्माण सिद्धार्थ रॉय कपूर और जी स्टूडियोज कर रहे हैं। मई में जी स्टूडियोज ने इसकी घोषणा की थी।

रिपोर्ट के अनुसार, यह क्राइम थ्रिलर फिल्म पुलिस विभाग पर आधारित है। फिल्म में शाहिद एक अल्हड़, बेपरवाह पुलिसवाले की भूमिका निभाएंगे, जिसे एक हाई प्रोफाइल मामला सुलझाना है। इस मामले की तहकीकात करते हुए उसे एक बड़ी जालसाजी का पता चलता है।फिल्म में पूजा हेगड़े शाहिद के साथ नजर आएंगी।

फिल्म की स्क्रिप्ट पर लंबे समय से काम चल रहा था। अब यह पूरा हो चुका है। खबर है कि मध्य अक्टूबर से शाहिद इस फिल्म की शूटिंग शुरू कर देंगे। दिसंबर तक इसकी शूटिंग खत्म करने की योजना है। इसके बाद इसे अगले साल के मध्य तक रिलीज कर दिया जाएगा।शाहिद ने पिछले साल ही इस फिल्म के लिए हामी भर दी थी, लेकिन प्री-प्रोडक्शन के काम के कारण इसकी शूटिंग शुरू नहीं हो पाई थी। कोई शक निर्देशक रोशन एंड्रूज की पहली बॉलीवुड फिल्म है। एंड्रूज नोटबुक (2006), मुंबई पुलिस (2013) और सैल्यूट (2022) जैसी फिल्में बना चुके हैं।वह मलयालम के बेहतरीन निर्देशकों में शुमार हैं, जो 3 केरल स्टेट फिल्म पुरस्कार और 2 फिल्मफेयर पुरस्कार अपने नाम कर चुके हैं।कहा जा रहा था कि कोई शक उनकी फिल्म मुंबई पुलिस का रीमेक है, लेकिन बाद में खबरें आईं कि यह एक नई कहानी है। कोई शक के अलावा शाहिद की अन्य फिल्में भी चर्चा में हैं।शाहिद ने पद्मावत के बाद एक बार फिर संजय लीला भंसाली से हाथ मिलाया है। इस फिल्म की शूटिंग अगले साल शुरू होगी।वह अनीस बाज्मी की कॉमेडी फिल्म एक साथ दो दो में नजर आएंगे। इस फिल्म में रश्मिका मंदाना भी नजर आएंगी।वह दिनेश विजान की एक फिल्म में कृति सैनन के साथ नजर आएंगे। फिल्म में कृति एक रोबोट के किरदार में होंगी। चर्चा है कि शाहिद ने कोई शक के लिए अपनी फीस भी कम की है। उन्होंने कोई शक के लिए 25 करोड़ रुपये फीस ली है। हाल ही में उन्होंने खुलासा किया है कि हैदर में उन्होंने मुफ्त में काम किया था।

खिचड़ी-2 के साथ बड़े पर्दे पर लौटेगा पारेख परिवार

दर्शकों को एक बार फिर हंसी से लोटपोट करने के लिए पारेख परिवार खिचड़ी 2 लेकर बड़े पर्दे पर लौट रहा है।छोटे पर्दे पर वर्षों तक लोगों का मनोरंजन करने के बाद 2०1० में फिल्म खिचड़ी आई थी और अब 13 साल बाद इसका दूसरा भाग आने वाला है। फिल्म का टीजर जारी कर दिया गया है, जो काफी मजेदार है, जिसमें टाइगर और पठान के बाद ये परिवार ही एक मिशन पर जाने की तैयारी कर रहा है।

खिचड़ी 2 मिशन पंथुकिस्तान का टीजर रिलीज होते ही छा गया है और प्रशंसक भी काफी उत्सुक हैं।टीजर की शुरुआत शाहरुख खान के किरदार पठान और सलमान खान के टाइगर के जिक्र के साथ हुई और इस परिवार को 5 करोड़ रुपये के बदले एक खुफिया मिशन पर जाने के लिए कहा गया।पारेख परिवार मिशन के लिए निकलता तो है पर हिमांशु लापता हो जाता है। ऐसे में यह देखना मजेदार होगा कि मिशन पूरा होगा या नहीं।

खिचड़ी 2 मिशन पंथुकिस्तान 17 नवंबर को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। ऐसे में टाइगर 3 की 1० नवंबर को रिलीज के एक हफ्ते बाद पारेख परिवार अपने मिशन पर निकलेगा। हैट्सऑफ प्रोडक्शंस द्वारा प्रस्तुत इस एडवेंचर-कॉमेडी फिल्म के निर्माता जमनादास मजेठिया हैं।इसके लेखन और निर्देशन की कमान आतिश कपाडि?ा ने संभाली है, जिन्होंने पहले भाग का निर्देशन भी किया था और अब 13 साल बाद इसके दूसरे भाग को पर्दे पर ला रहे हैं।

खिचड़ी में सुप्रिया पाठक हंसा और राजीव मेहता प्रफुल्ल के किरदार में एक बार फिर लोगों को हंसाने के लिए तैयार हैं।इनके साथ ही अनंग देसाई बाबूजी तो वंदना पाठक जयश्री की भूमिका में नजर आने वाली हैं।इनके अलावा कीर्ति कुल्हारी, अनंत विधात, परेश गनात्रा, कीकू शारदा और फ्लोरा सैनी भी फिल्म का हिस्सा हैं। मशहूर निर्देशक फराह खान और स्कैम 1992 में नजर आए अभिनेता प्रतीक गांधी भी खास भूमिका निभाते हुए दिखेंगे।

खिचड़ी टीवी शो की शुरुआत स्टार प्लस पर 2००2 में हुई थी, जिसे दर्शकों ने काफी पसंद किया था।इसके बाद इंस्टेंट खिचड़ी नाम से फिर से इसकी टीवी पर वापसी हुई और 2०1० में खिचड़ी फिल्म आई।2०18 में इस फ्रैंचाइजी की 2० एपिसोड वाली तीसरी सीरीज खिचड़ी स्टार प्लस पर एक बार फिर लौटी थी।खिचड़ी को टीवी के साथ ही सिनेमाघरों में भी खूब प्यार मिला है। इसकी सभी एपिसोड और फिल्म डिज्नी+ हॉटस्टार पर मौजूद हैं।

सिनेमाघरों में जल्द ही कई फिल्मों के सीक्वल रिलीज होने वाले हैं। इनमें अजय देवगन की फिल्म सिंघम 3 के साथ ही हाउसफुल 5, वेलकम 3, वॉर 2 और भूल भुलैया 3 शामिल हैं। इनके अलावा पुष्पा 2 का भी दर्शकों को इंतजार है।(आरएनएस)

अपने स्टाइलिश लुक को लेकर श्वेता तिवारी फिर आयी चर्चाओं में

श्वेता तिवारी ने बेशक अपनी अदाकारी से हमेशा ही दर्शकों का दिल जीता है, लेकिन पिछले कुछ समय से एक्ट्रेस अपने लुक्स के कारण काफी चर्चा में बनी हुई हैं। इन दिनों लगातार श्वेता अपने स्टाइलिश लुक्स दिखा रही हैं। उनकी हर अदा को देखकर ऐसा लगता है कि वह वक्त के साथ और ज्यादा बोल्ड और हॉट होती जा रही है। वहीं, एक्ट्रेस अपनी फिटनेस से भी सभी के होश उड़ा रही हैं। अब फिर से श्वेता का नया स्टाइलिश लुक काफी वायरल हो रहा है।

श्वेता ने कुछ देर पहले ही अपने इंस्टाग्राम पेज पर अपना नया लुक शेयर किया है। लेटेस्ट फोटोशूट के लिए एक्ट्रेस ने ब्राउन शेड की शॉर्ट ड्रेस और मैचिंग का क्रॉप ब्लेजर कैरी किया है। इसके साथ उन्होंने ब्लैक क्रॉप टॉप पहना है और ब्लेजर के बटन खोलकर कैमरे के सामने स्टाइलिश पोज दिए हैं। एक्ट्रेस इस लिक में स्टनिंग दिख रही हैं। उन्होंने हुस्न के जलवे बिखेरते हुए एक से एक पोज दिए हैं।

श्वेता ने अपने स्टाइलिश लुक को सटल बेस, न्यूड लिप्स और न्यूड आई मेकअप से कंप्लीट किया है। इसके साथ उन्होंने बालों को सॉफ्ट कर्ली टच देकर ओपन रखा है। एक्सेसरीज के तौर पर श्वेता ने कानों में छोटे-छोटे ईयररिंग्स पहने हैं। एक्ट्रेस इस लुक में बेहद खूबसूरत और हॉट दिख रही हैं। खासतौर पर उनका कर्वी फिगर फिर सबका ध्यान खींच रहा है।

दूसरी ओर वहीं, श्वेता के वर्क फ्रंट पर नजर डालें तो इन दिनों वह रोहित शेट्टी की वेब सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स को लेकर चर्चा में हैं। इसके अलावा एक्ट्रेस हम तुम एंड दैम टाइटल से बन रही सीरीज में भी नजर आएंगी। फैंस उन्हें फिर नए अंदाज में पर्दे पर देखने के लिए काफी उत्साहित हैं।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

फ्रोजन शोल्डर हो सकता है कंधे का दर्द

कंधे में दर्द एक आम समस्या है जिसका सामना कई लोग करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कंधे का दर्द कई बार फ्रोजन शोल्डर नामक गंभीर स्थिति का संकेत भी हो सकता है? इसमें कंधे की मांसपेशियां अत्यधिक कड़ी और सूजी हो जाती हैं। इससे कंधे में भयंकर दर्द होता है और कंधे को हिलाने-डुलाने में बहुत परेशानी होती है।कई बार तो हाथ उठा भी नहीं पाते। यह एक गंभीर स्थिति है जिसमें मांसपेशियों को नुकसान पहुंच सकता है।

अगर समय रहते इसका इलाज नहीं किया जाता तो यह मांसपेशियों में गंभीर नुकसान पहुंचा सकता है। इसलिए जब भी कंधे में दर्द हो, हमें सतर्क हो जाना चाहिए। आइए जानते हैं कि कैसे पहचाना जा सकता है कि कंधे का दर्द फ्रोजन शोल्डर का संकेत है, और इससे बचने के उपाय।

फ्रोजन शोल्डर में क्या होता है

फ्रोजन शोल्डर में क्या होता है, यह समझने के लिए हमें कंधे की बनावट को समझना पड़ेगा। कंधे के जोड़ पर एक कैप्सूल या झिल्ली होती है जो कंधे के जोड़ को ढके रहती है। इस कैप्सूल में एक तरल पदार्थ भरा रहता है जो कंधे के जोड़ को चिकनाई प्रदान करता है और आसानी से घूमने में मदद करता है। फ्रोजन शोल्डर होने पर यह कैप्सूल जकडन् या सूजन का शिकार हो जाता है। इससे कंधे का जोड़ सख्त और अकड़ा हो जाता है। तरल पदार्थ कम होने से जोड़ पर चिकनाई गायब हो जाती है और कंधे को घुमाना-हिलाना मुश्किल हो जाता है।

फ्रोजन शोल्डर होने पर यह लक्षण दिखाई देते हैं

* कंधे में भारीपन और दर्द महसूस होना
* कंधे को उठाने या घुमाने में तकलीफ होना
* कंधे या बांह में झिनझिनी और सुन्नपन महसूस होना
* कंधे के आस-पास की मांसपेशियों में सूजन आना
* रात में कंधे का दर्द अधिक बढ़ जाना
* आराम पर भी दर्द में कोई राहत न होना
* कंधे में मुड़ाव या मोड़ आना

फ्रोजन शोल्डर होने पर उसका उपाय

* कंधे की मालिश रोज करें। यह मांसपेशियों को आराम देती है।
* कंधे के व्यायाम जैसे सर्कल मोशन और स्ट्रेचिंग करें। योगा भी फायदेमंद है।
* कंधे पर आइस पैक लगाएं इससे दर्द कम हो सकता है।
* कंधे को अत्यधिक भार न उठाएं।
* खराब बॉडी पोस्चर से बचें जो कंधे पर दबाव डालती है।
* अच्छी नींद और संतुलित आहार लें। (आरएनएस)

सीरत कपूर ने 'आओ ना' गाने के साथ की सिंगिंग की शुरूआत

तेलुगू सिनेमा में अपने काम के लिए मशहूर एक्ट्रेस सीरत कपूर ने आओ ना गाने से अपने सिंगिंग की शुरुआत की है, जो मंगलवार को जारी किया गया। गाने में अमन प्रीत सिंह भी हैं जो एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह के भाई हैं।

रोमांटिक टाइटल ट्रैक दिल छू लेने वाला गाना है। इसमें सीरत कपूर और अमन प्रीत के बीच शानदार केमिस्ट्री दिखाई गई है।

गाने के म्यूजिक वीडियो में अमन प्रीत फोटोग्राफर के रोल में हैं और सीरत कपूर एक सुपर मॉडल हैं।

अमन सीरत की सुंदरता की ओर खींचे चले जाते हैं और प्यार में पड़ जाते हैं। वह सीरत को अपनी गर्लफ्रेंड के रूप में कल्पना करते हैं और उसके साथ बेहतरीन समय बिताते हैं। लेकिन, बाद में उन्हें एहसास होता है कि यह सिर्फ एक सपना है।

एक सिंगर के रूप में अपनी शुरुआत के बारे में बात करते हुए, सीरत ने कहा, एक सिंगर के रूप में और एक ही प्रोजेक्ट में अभिनेता के रूप में डेब्यू करना हमेशा से मेरा सपना रहा है और मैं रोमांचित हूं कि यूनिवर्स ने आओ ना के साथ इसकी तैयारी की। यह गाना मेरे लिए अविश्वसनीय रूप से खास है। मुझे उम्मीद है कि यह गाना दर्शकों को पसंद आएगा और अमिट छाप छोड़ेगा।

यह गाना जेजस्ट म्यूजिक के लेबल के तहत जारी किया गया है और उनके यूट्यूब चैनल पर स्ट्रीम के लिए उपलब्ध है। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -066

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. रूचिकर लगने वाली, रूचि के अनुकुल, चुनी हुई 3. राजाओं के बैठने का आसन 6. श्रमिक 7. कार्य, काज 9. वाद्ययंत्र आदि बजाने वाला 10. सहारा, सहायक वस्तु 11. शर्म, लाज, हया 12. मक्खन, माखन 14. श्रीमती राबड़ी देवी इस प्रदेश की मुख्यमंत्री हैं 15. चंद्रमा, रजनीश, चांद 18. पुस्तक 20. अवधि, समय 21. तर्क वितर्क और कहा-सुनी, जबानी झगड़ा 22. सूरत, आकार 23. झुका हुआ, नत।

ऊपर से नीचे

1. पंद्रह दिन का समय, शुक्ल या कृष्ण पक्ष 2. आग बुझाने की मशीन 3. हिंदु विवाहित स्त्री के मांग में भरने का लाल चूर्ण 4. पराजय, माला 5. मुंह ढकने का कपड़ा, घुंघट 8. चंदन, दक्षिण का एक पर्वत 10. व्यवस्थित करना, सजाना, स्वभाव आदि का परिष्कार, शुद्ध संबंधी कृत्य 12. विशालता, बड़प्पन, महान होने का भाव 13. अड़चन, रुकावट 15. जमीन के अंदर गहरा और लंबा रास्ता, अच्छे रंग का 16. बेवकूफ, मूर्ख, अहमक 17. औसत के हिसाब से 18. कृषक 19. अधिक, ज्यादा।

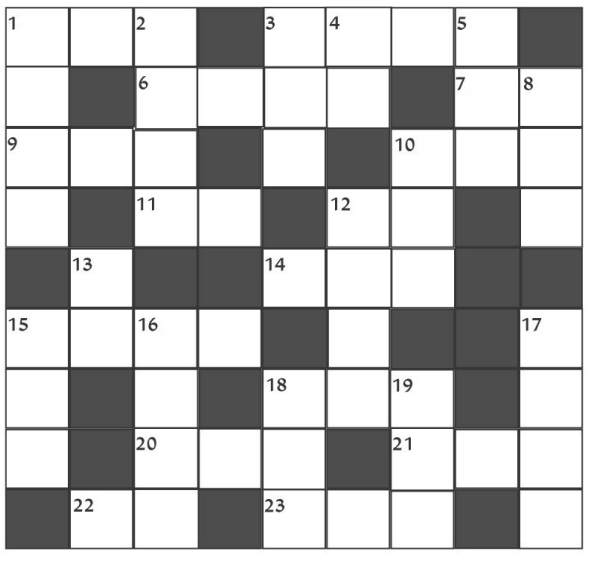

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 65 का हल

ज	ल		आ	वा	जा	ही		
मा		खू	ब		दू	र	स्थ	
ना	दा	न		सा	ग		ल	क्ष्य
	न	ख		त	र	ल		
	वी	रा	न			च	ट	क
	र	ब		आ	ज	क	ल	
			आ	ग		दा	ना	
	अ	ग	र	म	ग	र		क्रो
भा	भी		ती	न			व	ध

अपकमिंग सीरीज काला पानी 18 अक्टूबर को होगी रिलीज

फिल्म निर्माता आशुतोष गोवारिकर अपकमिंग सीरीज काला पानी की स्टार कास्ट का हिस्सा हैं, जो 18 अक्टूबर को रिलीज होने वाली है। एक्टर ने इसे एक दिलचस्प प्रोजेक्ट करार दिया। अब निर्माताओं ने वेब सीरीज की रिलीज तारीख से पर्दा उठा दिया है। पोशम पा पिक्चर्स द्वारा निर्देशित सीरीज समीर सक्सेना और अमित गोलानी द्वारा निर्मित है और बिस्वपति सरकार, अमित गोलानी, संदीप साकेत और निमिषा मिश्रा द्वारा लिखी गई है। मोना सिंह, आशुतोष गोवारिकर और अमेय वाघ स्टारर काला पानी दर्शकों को अंडमान निकोबार द्वीप समूह की यात्रा पर ले जाएगी।

लेकिन, इस द्वीप पर सब कुछ सहज नहीं चल रहा है। सामाजिक व्यवस्था चरमराने से अराजकता फैल जाती है, जिससे इसके निवासी फंस जाते हैं और बाहरी दुनिया से अलग हो जाते हैं। सीरीज के साथ अपने जुड़ाव के बारे में बात करते हुए, आशुतोष ने कहा- काला पानी की अपनी एक दुनिया है और मैं इस तरह की एक दिलचस्प नेटफ्लिक्स प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने के लिए वास्तव में उत्साहित हूं। समीर, अमित और बिस्वपति ने एक शैली के साथ एक सीरीज बनाई है जो हमारे दर्शकों के देखने के अनुभव में नई जान फूंक देगा। मुझे उम्मीद है कि दर्शक भी उतने ही उत्सुक होंगे जितना मैं हूं, और इसका उतना ही आनंद लेंगे, जितना मैंने इसमें प्रदर्शन करके लिया। काला पानी में सुकांत गोयल, विकास कुमार, अरुशी शर्मा, राधिका मेहरोत्रा, चिन्मय मंडलेकर और पूर्णिमा इंद्रजीत भी शामिल हैं। काला पानी का प्रीमियर 18 अक्टूबर को नेटफ्लिक्स पर होगा।

सौभाग्यवती भव में दिखाई देंगे करणवीर बोहरा

टेलीविजन शो सौभाग्यवती भव नियम और शर्तें लागू में विराज डोबरियाल की भूमिका निभाने के लिए अभिनेता करणवीर बोहरा तैयार हैं। उन्होंने कहा कि वह अब शो में अपनी नकारात्मक छवि से परेशान नहीं होते। अभिनेता ने यह भी याद किया कि कैसे पहले वह अपनी नकारात्मक छवि को साफ करने के लिए हरसंभव प्रयास करते थे क्योंकि लोग यह मानने लगे थे कि वह बिल्कुल उनके किरदार विराज की तरह है। अभिनेता करणवीर बोहरा ने कहा, जब पिछला सीजन समाप्त हुआ, तो मुझे एक मुश्किल स्थिति का सामना करना पड़ा। भले ही मैंने विराज डोबरियाल की भूमिका बहुत अच्छी तरह से निभाई थी, लेकिन कुछ अप्रत्याशित हुआ।

लोग सोचने लगे कि मैं असल जिंदगी में बिल्कुल विराज जैसा हूं। लोगों ने मुझे इस किरदार से जोडऩा शुरू कर दिया, उनका मानना था कि मैं असल जिंदगी में विराज जैसा ही हूं। यह मेरे लिए व्यक्तिगत और पेशेवर तौर पर एक चुनौतीपूर्ण समय था। अपनी सार्वजनिक छवि को भुनाने की करणवीर की यात्रा को विभिन्न रियलिटी शो में भागीदारी सहित जान-बूझकर किए गए प्रयासों द्वारा चिह्नित किया गया था। वह दुनिया को यह दिखाने के लिए कृतसंकल्प थे कि वह दुष्ट विराज नहीं बल्कि अपनी कला के प्रति प्रतिबद्ध अभिनेता हैं।

उन्होंने आगे कहा, मुझे स्पष्ट रूप से याद है कि जब पिछला सीजन समाप्त हुआ था, तो मुझे बहुत काम करना पड़ा और कई रियलिटी शो में भाग लेना पड़ा, सिर्फ एक कारण से, जो था विराज डोबरियाल की अपनी नकारात्मक छवि को साफ़ करना। जीवन के उस मोड़ पर मेरे लिए यह वास्तव में कठिन था।

बोल्ड कपड़े पहनने का कोई मौका नहीं छोड़ती है दिशा पाटनी

बोल्ड कपड़े पहनने का दिशा पाटनी एक भी मौका नहीं छोड़ती है। कुछ दिन पहले दिशा नीता अंबानी और मुकेश अंबानी के घर आए बप्पा का आशीर्वाद लेने इतने एक्सपोजिंग कपड़ों में गई थीं कि खूब ट्रोल हुई थीं। अब दिशा ने अपनी इस ट्रोलिंग वाले लुक की फोटोज इंस्टाग्राम पर शेयर की है।

इन तस्वीरों में एक्ट्रेस कैमरे के सामने साड़ी के साथ रिवीलिंग ब्लाउज पहनकर परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट करते हुए दिखीं। इस फोटो में दिशा पाटनी प्लेन लाइट कलर की साड़ी के साथ हैवी वर्क वाली ब्रालेट पहने दिखीं। ये ब्रालेट इतनी ज्यादा हैवी वर्क वाली और रिवीलिंग है कि उनके लुक को देखकर आप भी शॉक्ड हो जाएंगे। दिशा इस रिवीलिंग ब्रालेट को पहनकर कैमरे के सामने एक से बढ?र एक किलर पोज देती दिखीं।

इन तस्वीरों में दिशा पाटनी हैवी वर्क के ब्रालेट के साथ प्लेन कलर की साड़ी पहने नजर आ रही हैं। इस साड़ी को एक्ट्रेस ने इस तरह से बदन पर लपेटा है कि वो उन्हें और भी बोल्ड लुक दे रहा है। दिशा ने फ्रंट साइड से पल्लू को थोड़ा खिसकाकर कैमरे के सामने डीपनेक फ्लॉन्ट किया। एक्ट्रेस की ये फोटोज देखते ही देखते हर तरफ छा गई। वहीं उनकी करीबी दोस्त मौनी रॉय ने कमेंट में लिखा- कितनी सुंदर।

इससे पहले दिशा पाटनी व्हाइट कलर की रिवीलिंग ड्रेस पहनकर कैमरे के सामने अपने हुस्न का जादू चलाती दिखीं। एक्ट्रेस की ये ड्रेस काफी टाइट और हद से ज्यादा छोटी थी। बावजूद इसके दिशा इस ड्रेस को पहनकर कैमरे के सामने एक से बढकर एक फोटोज खिंचवाने में झिझकी नहीं। वर्कफ्रंट की बात करें तो आखिरी बार एक विलेन रिटर्न्स में नजर आई थीं। वहीं अब उनके पास दो फिल्में हैं- वेलकम टू जंगल और प्रोजेक्ट के।

कैमरे के सामने किलर पोज दे रही वाणी कपूर

वाणी कपूर ने अपने अब तक के करियर में कई फिल्मों में बेहतरीन किरदारों को बखूबी पर्दे पर उतार चुकी हैं। हालांकि, अपनी फिल्मों के अलावा वाणी अपनी हॉटनेस और स्टाइलिश फोटोशूट की वजह से भी काफी चर्चा में बनी रहती हैं। अक्सर उनके इंस्टाग्राम पेज उनके ग्लैमरस लुक्स देखने को मिल जाते हैं। अब फिर से एक्ट्रेस ने फिर से फैंस के दिलों की धड़कने बढ़ा दी हैं।

लेटेस्ट फोटोशूट में वाणी अपना बिकिनी लुक फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं। उन्होंने इस दौरान ग्रीन शेड की बिकिनी के साथ डेनिम जीन्स कैरी की है।

एक्ट्रेस ने अपने इस लुक को और हॉट बनाने के लिए जीन्स के बटन खोल कैमरे के सामने किलर पोज दिए हैं। वाणी ने बहुत बेबाकी से अपना ये बोल्ड लुक फ्लॉन्ट किया है।

वाणी ने इस लुक को सटल बेस, रोजी शाइनी चीक्स, न्यूड ग्लॉसी लिप्स और न्यूड आई मेकअप से कंप्लीट किया है। इसके साथ उन्होंने अपने बालों को मैसी टच देकर ओपन रखा है। एक्सेसरीज के तौर पर वाणी ने एक हाथ में गोल्ड बैंगल्स पहने हैं। वाणी इस लुक में बेहद हॉट दिख रही हैं। खासतौर पर एक्ट्रेस के कर्वी फिगर ने सबके होश उड़ा दिए हैं।

दूसरी ओर वाणी की आने वाली फिल्मों पर बात करें तो इस समय एक्ट्रेस मंडाला मर्डर्स टाइटल से बन रही वेब सीरीज को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। बता दें कि पिछली बार वाणी को रणबीर कपूर के साथ फिल्म शमशेरा में देखा गया था।

००

टीवी अभिनेत्री पलक पुरसवानी संगीत की दुनिया में दिखायेंगी जलवा

रियलिटी स्टीमिंग शो बिग बॉस ओटीटी 2 में नजर आने वाली टीवी अभिनेत्री और मॉडल पलक पुरसवानी संगीत की दुनिया में कदम रख रही हैं। उनका म्यूजिक वीडियो जल्द ही रिलीज होने वाला हैं।

पलक ने कहा कि उनका नया सॉन्ग एक ब्रेकअप ट्रैक है, जो सभी को पसंद आएगा।

एक्ट्रेस ने अपने सॉन्ग को लेकर कहा, मैं म्यूजिक वीडियो को लेकर बहुत एक्साइटिड हूं, क्योंकि बहुत से लोग जो रिश्तों में ब्रेकअप से गुजरते हैं, वे इससे जुड़ाव महसूस करेंगे।

उन्होंने आगे कहा कि उनका खुद भी इस ट्रैक से पर्सनल अटैचमेंटहै और वे इससे जुड़ सकती हैं। इस पर विस्तार से बताते हुए उन्होंने कहा, मैं भी इससे जुड़ी हूं। साथ ही, यह मेरा अब तक का पहला म्यूजिक वीडियो है। मैं अपने सभी एक्टर फ्रेंड्स से उम्मीद करूंगी कि वे इसको प्रमोट करें ताकि म्यूजिक वीडियो वायरल हो जाए!

म्यूजिक वीडियो के बारे में खुलासा करते हुए पलक ने कहा, मेरे आने वाले म्यूजिक वीडियो के सिंगर मोहम्मद दानिश हैं जो इंडियन आइडल का हिस्सा थे। म्यूजिक वीडियो में मेरे अपोजिट अध्विक महाजन हैं।

उन्होंने इसका हिस्सा बनना क्यों चुना, इस बारे में बात करते हुए एक्ट्रेस ने कहा, इसे मुंबई के मढ़ में ही शूट किया गया था। मैंने इस गाने के लिए हां इसलिए कहा क्योंकि गाना वाकई बहुत अच्छा था। मैं इस गाने से एक खास तरह से जुड़ सकती हूं।

खतरों के खिलाड़ी सीजन-13 में चैलेंजर के तौर पर वापसी कर रही हिना खान

खतरों के खिलाड़ी सीजन 8 की फाइनलिस्ट शेर खान के नाम से मशहूर एक्ट्रेस हिना खान ने अपने इस टैग के बारे में खुलकर कहा कि यह कितना अच्छा था और इसने वास्तव में उनकी दुनिया बदल दी।

हिना ने खतरों के खिलाड़ी सीजन 13 में चैलेंजर के तौर पर वापसी की है।

स्टंट-बेस्ड रियलिटी शो हर गुजरते हफ्ते के साथ डर को एक नए लेवल पर बढ़ा रहा है।

एक्शन मास्टर और शो के होस्ट रोहित शेट्टी, दक्षिण अफ्रीका के केप टाउन के जंगल में पहले कभी नहीं देखे गए स्टंट और कंस्टेंट्स के साथ मौजूद हैं।

चैलेंजर हिना ने शो में वापसी पर अपना एक्सपीरियंस शेयर किया।

खतरों के खिलाड़ी 8 में फाइनलिस्ट बनने के बाद से वह एक व्यक्ति के रूप में कैसे विकसित हुई हैं, इस पर एक्ट्रेस ने कहा- मैं हर मायने में ज्यादा साहसी हो गयी हूं, न केवल फिजिकल ट्रायल का सामना करने में बल्कि जीवन की अप्रत्याशितता को अपनाने में भी। मैंने वास्तविक दुनिया और रील दोनों में नई चुनौतियों का खुली बांहों से स्वागत करना सीख लिया है।

हिना ने कहा, निडरता की इस नई भावना ने अवसरों और रोमांच की एक ऐसी दुनिया खोल दी है जिसे तलाशने में मुझे कभी झिझक होती थी। किसी भी चीज से ज्यादा, यह यात्रा खुद को आगे बढ़ाने की है। यह शो जीवन बदलने वाला अनुभव था जिसने मुझे अंदर से बाहर तक बदल दिया। यह सीमाओं को पार करने, डर का डटकर सामना करने और दूसरी तरफ एक मजबूत, अधिक आत्मविश्वासी और अधिक दृढ़ व्यक्ति के रूप में उभरने का बेहतरीन जरिया है।

नागिन 5 फेम एक्ट्रेस ने कहा कि इस यात्रा ने उन्हें सिखाया है कि जब वह अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलने की हिम्मत करती हैं तो वह अपनी क्षमता तक जी सकती हैं।

हिना ने कहा, शेर खान के रूप में टैग किया जाना निश्चित रूप से अच्छा था, लेकिन इसने वास्तव में मेरी दुनिया बदल दी। यह एक ट्रान्सफॉर्मेशनल की तरह थी जिसने मुझे उन डरों पर जीत हासिल करने में मदद की जो मुझे पूरी जिंदगी परेशान कर रहे थे। मेरे सीजन के दौरान यह एहसास वास्तव में मेरे लिए गेम-चेंजर था, और मैंने वहां से आगे बढऩा जारी रखा है।

हिना ने खतरों के खिलाड़ी में एक चैलेंजर के रूप में कहा, स्टंट करने का उनका तरीका उस समय की तुलना में थोड़ा अलग था जब वह एक कंटेस्टेंट थीं।

इससे पहले शो में चैलेंजर के तौर पर एक्ट्रेस दिव्यांका त्रिपाठी की एंट्री हुई थी।

राजस्थान में केंद्रीय मंत्रियों को चुनाव लड़ायेगी भाजपा

अजीत द्विवेदी

पहले भी ऐसा होता था लेकिन वह अपवाद था कि सांसदों को विधानसभा का चुनाव लड़ाया जाए। अब भारतीय जनता पार्टी ने इस अपवाद को नियम बना दिया है। वह सभी राज्यों में सांसदों को विधानसभा के चुनाव लड़ाती है। यहां तक कि केंद्रीय मंत्री भी विधानसभा का चुनाव लड़ते हैं। अभी मध्य प्रदेश में भाजपा ने तीन केंद्रीय मंत्रियों- नरेंद्र सिंह तोमर, प्रहलाद पटेल और फग्गन सिंह कुलस्ते को चुनाव मैदान में उतारा है। हैरानी नहीं होगी अगर चौथे मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को भी चुनाव में उतारा जाए। इससे पहले त्रिपुरा में केंद्रीय मंत्री प्रतिमा भौमिक को चुनाव लड़ाया गया था। उससे भी पहले 2021 के विधानसभा चुनाव में पश्चिम बंगाल में केंद्रीय मंत्री निशीथ प्रमाणिक और बाबुल सुप्रियो को चुनाव लड़ाया था। हालांकि बाबुल सुप्रियो चुनाव हार गए थे।

अब कहा जा रहा है कि भारतीय जनता पार्टी राजस्थान में भी कुछ केंद्रीय मंत्रियों को विधानसभा का चुनाव लड़ाएगी। केंद्र जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल दोनों के नाम की चर्चा है। तेलंगाना में भाजपा के चार सांसद हैं, जिनमें से एक जी किशन रेड्डी केंद्र सरकार में मंत्री हैं। बताया जा रहा है कि भाजपा ने केंद्रीय मंत्री सहित अपने चारों सांसदों को तेलंगाना विधानसभा का चुनाव लड़ाने का फैसला किया है।

खबरों के मुताबिक मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के परिवार के सदस्य, जहां से चुनाव लड़ेंगे वहां भाजपा अपने सांसदों को मैदान में उतारेगी। पहले भी पार्टियां विधानसभा चुनाव में अपने पक्ष में हवा बनाने के लिए बड़े चेहरों को मैदान में उतारती थी। इसलिए कई बार सांसदों को भी चुनाव लड़ाया जाता था। लेकिन यह काम तब होता था जब पार्टियों के पास कोई करिश्माई नेतृत्व नहीं होता था या जब पार्टी मुश्किल मुकाबले में फंसी होती थी। तभी हैरानी है कि भाजपा के पास नरेंद्र मोदी का चेहरा है और पार्टी मान रही है कि कहीं भी उसकी लड़ाई नहीं है, वह आराम से चुनाव जीत रही है तब भी इतनी बड़ी संख्या में सांसदों और केंद्रीय मंत्रियों को चुनाव लड़ा रही है। बहरहाल, सांसदों या केंद्रीय मंत्रियों को विधानसभा का चुनाव लड़ाने को लेकर कुछ नैतिक व राजनीतिक सवाल हैं, जिनका जवाब पार्टियों को देना चाहिए।

पहले तो सांसदों के विधानसभा का चुनाव लडना ही सवाल खड़े करता है। एक सांसद अपने लोकसभा क्षेत्र की पांच या छह विधानसभा सीटों का प्रतिनिधित्व करता है। उसको एक विधानसभा सीट से चुनाव लड़ाने की क्या तुक है? क्या इससे पक्षपात की संभावना नहीं बनती है? यह हो सकता है कि सांसदों को अंदाजा हो कि उनको विधानसभा का चुनाव लडना पड़ सकता है तो वे पहले से ही किसी खास विधानसभा क्षेत्र पर ज्यादा ध्यान देते हों। यह भी हो सकता है कि अगर चुनाव लड़ रहा सांसद विधानसभा का चुनाव हार जाए तो बतौर सांसद वह उस क्षेत्र की जनता से बदला लेने के लिए उस विधानसभा क्षेत्र में काम न कराए या अपनी निधि का पैसा वहां खर्च न करें? इस तरह यह एक तरह के पक्षपात की संभावना को जन्म देता है। पांच या छह सीटों का प्रतिनिधित्व करने वाले किसी सांसद को विधानसभा का चुनाव लड़ाने से यह मैसेज तो बनता है कि पार्टी ने बड़ा चेहरा उतारा है लेकिन इससे उस सांसद का कद छोटा होता है।

दूसरा सवाल राजनीतिक नैतिकता को लेकर है। अगर कोई सांसद विधानसभा का चुनाव जीत जाता है तो इसका मतलब है कि किसी एक सीट पर निश्चित रूप से उपचुनाव होगा। क्योंकि या तो वह लोकसभा की सीट छोड़ेगा या विधानसभा का। यह सिर्फ अभी के चुनाव की बात नहीं है। अभी लोकसभा का कार्यकाल बहुत कम बचा हुआ है इसलिए हो सकता है कि विधायक बनने के बाद कोई सांसद इस्तीफा दे तो उपचुनाव नहीं कराया जाए। लेकिन आमतौर पर अगर कोई नेता लोकसभा और विधानसभा दोनों सीटों पर जीता हुआ होता है तो वह एक सीट से इस्तीफा देता है और वहां उपचुनाव होता है। जैसा कि पश्चिम बंगाल में निशीथ प्रमाणिक और जगन्नाथ सरकार की सीट पर हुआ या त्रिपुरा में प्रतिमा भौमिक की सीट पर हुआ। इस तरह के उप चुनाव के लिए आचार संहिता लगती है, केंद्रीय बलों की तैनाती होती है, बड़े नेता कामकाज छोड़ कर प्रचार करते हैं और चुनाव आयोग का बेवजह खर्च बढ़ता है।

सोचें, एक तरफ पूरे देश में एक चुनाव के लिए विधानसभा और लोकसभा का कार्यकाल फिक्स्ड करने पर विचार हो रहा है तो दूसरी ओर सांसदों को विधानसभा का चुनाव लड़ाया जा रहा है! केंद्र सरकार ने एक देश, एक चुनाव पर विचार के लिए पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में आठ सदस्यों की एक कमेटी बनाई है। सबको अंदाजा है कि एक देश, एक चुनाव का कोई भी सिद्धांत तभी कामयाब हो सकता है, जब लोकसभा और विधानसभा का कार्यकाल फिक्स्ड किया जाए।

यानी तय कर दिया जाए कि पांच साल के भीतर किसी हाल में लोकसभा और विधानसभा भंग नहीं होगी ताकि सरकार गिरने पर मध्यावधि चुनाव न कराना पड़े। ऐसा एक कानून ब्रिटेन की संसद ने पास किया था लेकिन 2017 में उसे बदल दिया गया।

बहरहाल, एक तरफ फिक्स्ड कार्यकाल की बात हो रही है तो दूसरी ओर लोकसभा के सांसदों को विधानसभा का चुनाव लड़ाया जा रहा है! यह तो सीधे सीधे उपचुनाव की संभावना पैदा करने वाला कदम है!

आखिर में एक बड़ा सवाल केंद्रीय मंत्रियों को चुनाव लड़ाने पर है। अगर कोई केंद्रीय मंत्री विधानसभा का चुनाव लड़ता है तो यह प्राकृतिक न्याय के विरूद्ध होता है। इससे चुनाव का मैदान बराबरी का मैदान नहीं रह जाता है। केंद्रीय मंत्री देश के 140 करोड़ लोगों का मंत्री होता है। उसका कद और प्रोटोकॉल बहुत बड़ा होता है। उसकी सुरक्षा और अन्य तामझाम बहुत बड़ा होता है। जबकि दूसरी ओर उसके खिलाफ लडने वाला नेता किसी पार्टी का सामान्य कार्यकर्ता हो सकता है।

अगर वह राज्य का मंत्री भी है तब भी उसका दर्जा बहुत नीचे है। दूसरे उम्मीदवार के प्रति स्थानीय प्रशासन, पुलिस और चुनाव आयोग के अधिकारियों-कर्मचारियों का रवैया वही नहीं रहेगा, जो केंद्रीय मंत्री के प्रति होगा। कोई कुछ भी दावा करे लेकिन इससे स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव की संभावना प्रभावित होती है। तभी दुनिया के कई देशों में आम चुनाव से पहले सरकार को हटा दिया जाता है और कोई कार्यवाहक सरकार चुनाव कराती है।

भारत में ऐसी व्यवस्था नहीं है। फिर भी आम चुनावों की बात अलग है लेकिन अगर केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी अपने किसी मंत्री को विधानसभा का चुनाव लड़ाती है तो उसे कम से कम मंत्री पद से हटा कर चुनाव में भेजना चाहिए।

गंभीर रूप ले रही बेरोजगारी की समस्या

भारत में बेरोजगारी की समस्या गंभीर रूप लेती जा रही है। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि इसके बावजूद यह मुख्य राजनीतिक विमर्श का हिस्सा नहीं है। विपक्षी नेता जब-तक इस समस्या का जिक्र जरूर करते हैं, लेकिन समस्या क्यों है और उसका समाधान क्या है, इन सवालों पर उनके पास कहने के लिए कुछ नहीं होता। उनका सिर्फ यह कहना होता है कि नरेंद्र मोदी सरकार ने बेरोजगारी बढ़ा दी है।

बेशक, वर्तमान सरकार के कुछ कदम बेरोजगारी को बढ़ाने वाले रहे हैं, लेकिन कुल मिलाकर यह समस्या व्यवस्थागत है। जब तक उस पर ध्यान नहीं दिया जाता, इसका कोई समाधान नहीं निकल सकता। फिलहाल, अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय की ताजा रिपोर्ट चर्चा में है, जिसमें बताया गया है कि भारत में 15 प्रतिशत से ज्यादा ग्रैजुएट बेरोजगार हैं। 25 साल से कम उम्र के ग्रैजुएट्स के बीच तो बेरोजगारी दर 42 प्रतिशत तक है। 'स्टेट ऑफ वर्किंग इंडिया-2023' रिपोर्ट में भारत में रोजगार की चिंताजनक तस्वीर पेश की है।

बताया गया है कि 2019 के बाद से भारत में नियमित वेतन की नौकरियों के सृजन की रफ्तार कम हुई है। इसका एक बड़ा कारण कोविड-19 महामारी रही। महामारी के बाद रोजगार की स्थिति में सुधार हुआ। ग्रैजुएट लोगों को नौकरियां मिलने लगीं। लेकिन सवाल बना हुआ है कि उन्हें किस तरह की नौकरियां मिल रही हैं और क्या ये उनके कौशल और आकांक्षाओं से मेल खाती हैं? जाहिर है, ऐसी स्थिति नहीं है।

हाल ही कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दिल्ली के आनंद विहार स्टेशन पर कुली कर्मियों से संवाद किया। उस दौरान सामने आया कि कुछ ग्रैजुएट कुली का काम कर रहे हैं। महिलाओं में तो रोजगार की दर 2004 के बाद से या तो रुकी हुई रही या गिरी है। 2019 के बाद से महिलाओं के बीच घरेलू आर्थिक दबाव के कारण स्वरोजगार का ट्रेंड जरूर बढ़ा है। लेकिन अपने देश की यह हकीकत कायम है कि स्वरोजगार अक्सर मजबूरी में किया जाता है और ज्यादातर मामलों में इसका अर्थ अर्ध-रोजगार होता है। खुद रिपोर्ट में बताया गया है कि नियमित वेतन वाली नौकरी की जगह महिलाओं के बीच स्वरोजगार बढ़ा और इस वजह से उनकी आमदनी घट गई। (आरएनएस)

सू- दोकू क्र.066

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.65 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

भारत और कश्मीर सुलझायें विवाद

भारत में अमेरिका के राजदूत एरिक गार्सेटी ने कश्मीर मसले पर टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि इस विवाद को भारत और पाकिस्तान को आपस में हल करना है। गार्सेटी से यह सवाल पाकिस्तान स्थित अमेरिकी राजदूत डॉनल्ड ब्लोम की पाकिस्तान कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) की यात्रा के सिलसिले में पूछा गया था। ब्लोम ने अपने इस दौरे के समय उस इलाके को 'आजाद जम्मू एवं कश्मीर' कह कर संबोधित किया। कूटनीतिक हलकों में उचित ही यह सवाल उठाया गया है कि ब्लोम का पीओके जाना और उस क्षेत्र को पाकिस्तान की भाषा के अनुकूल संबोधित करना क्या कोई सामान्य घटना है, या इसके जरिए अमेरिका ने भारत को कोई संदेश देने की कोशिश की है? उधर गार्सेटी का इसे द्विपक्षीय विवाद बताना भी क्या उसी संदेश का हिस्सा है। कम-से-कम भारत की वर्तमान सरकार यह नहीं मानती कि इस विवाद को हल करने में पाकिस्तान की कोई भूमिका है। जहां तक विवाद का प्रश्न है, तो वह सिर्फ पीओके पर है। जबकि अमेरिकी राजदूतों ने जिस रूप में कश्मीर विवाद का जिक्र किया, उससे नहीं लगता कि उन्होंने भारत के रुख का समर्थन किया हो।

घटनाओं का महत्त्व उसके संदर्भ से जुड़ा होता है। कनाडा के साथ भारत के बढ़े विवाद के क्रम में भारत और पश्चिमी देश आमने-सामने खड़े होते नजर आ रहे हैं। अचानक भारत को लेकर अमेरिकी और ब्रिटिश अखबारों की भाषा तल्ख हो गई है। उनमें भारत को याद दिलाया जाने लगा है कि उसकी उतनी ताकत नहीं है, जितना वह समझ रहा है। यह भी कहा गया है कि भारत के साथ रिश्ता गहरा करने पर जो द्विपक्षीय सहमति अमेरिका में रही है, उसमें अब दरार पड़ सकती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राजनीति और उनकी सरकार की अनेक घरेलू नीतियों को लेकर वहां आलोचनात्मक स्वर तीखे हो गए हैं। इस तरह संदेश देने को कोशिश की जा रही है कि पश्चिम की चीन को घेरने की मजबूरी के मद्देनजर भारत यह ना माने कि वह पश्चिमी हितों का खुला उल्लंघन कर सकता है। स्पष्टत: यह पश्चिमी रुख भारतीय विदेश नीति के सामने एक नई चुनौती बन कर आया है। (आरएनएस)

महिला के आत्महत्या करने पर पति के खिलाफ मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। महिला के आत्महत्या करने पर पति के खिलाफ आत्महत्या के लिए प्रेरित करने का मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सीपर विहार काठबंगला निवासी सम्पत सिंकदर ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी बहन शिखा सिकदर राय का विवाह 2012 में राकेश राय के साथ हआ था। शादी के लगभग 2 वर्ष बाद राकेश ने उसकी बहन के साथ झगड़ा व मारपीट शुरू कर दी और यह क्रम लगतार चलता रहा।

3 सितम्बर 2023 को उसकी बहन व उसके पति के बीच आपसी समझोता हो गया था। लेकिन समझोते के बाद भी राकेश उसकी बहन के साथ मारपीट करता रहा। उसकी बहन लागातार राकेश की वजह से परेशान चल रही थी। 6 अक्टूबर 2023 को समय 12:20 बजे उसकी बहन का उसको फोन आया कि राकेश उसके साथ मारपीट कर उसको परेशान कर रहा है और उसके बाद फोन कट गया।

उसके द्वारा अपनी बहन को दोबारा फोन किया गया लेकिन उसने फोन नहीं उठाया उसके बाद लागभग सवा तीन बजे उसको पता चला की उसकी बहन शिखा ने अपने कमरे साई मन्दर के परिसर में फांसी लगा दी है। उसकी बहन शिखा राकेश से लगातार परेशान चल रही थी और राकेश के उकसाने पर ही उसने फांसी लागई। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

दो दुपहिया वाहन चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने दो स्थानों से दो दुपहिया वाहन चोरी कर लिये हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कांवली रोड निवासी तुषार सिंघल ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपनी एक्टिवा एक दुकान के बाहर खडी की थी। उसने बताया कि जब वह थोडी देर बाद अपना काम निपटा कर बाहर आया तो उसने देखा कि उसकी एक्टिवा अपने स्थान से गायब थी।

वहीं चंदर रोड निवासी मनीष नेगी ने डालनवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया कि उसने अपनी एक्टिवा अपने घर के बाहर खडी की थी

जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसकी एक्टिवा अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने दोनों मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मारपीट में पिता पुत्र के खिलाफ मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने पिता पुत्र के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कुंजा ग्रांट निवासी आदिल ने विकासनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि जब वह अपने घर की तरफ जा रहा था तभी खेल मैदान के पास उसको सुक्कड व उसके बेटे अयान ने रोककर उसके साथ गाली गलौच शुरू कर दी। उसने जब उनका विरोध किया तो उन्होंने उसके साथ मारपीट करनी शुरू कर दी। वह किसी तरह से अपने आप को बचाकर वहां से भागा तो दोनों ने उसको जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

पत्नी की हत्या कर जंगल...

दिन रात की जा रही पुलिस की इस मेहनत से आखिरकार मृतक महिला के हुलिए से मिलती-जुलती एक महिला किसी कैमरे में हर की पैड़ी क्षेत्र में एक पुरूष के साथ दिखाई दी। महत्वपूर्ण सुराग पर आगे बढ़ते हुए पुलिस टीम ने अन्य जानकारी जुटाते हुए महिला की पहचान कर आज सूचना पर करन उर्फ सागर को रोड़ी बेल वाला के पास से दबोचा। पूछताछ के दौरान जानकारी मिली कि मृतका करन की दूसरी पत्नी थी। मृतका करन से पूर्व भी तीन शादी कर चुकी थी तथा मृतका के हर पति से एक-एक बच्चा (कुल 04 बच्चे) थे। आरोपी को पत्नी का चाल चलन पर शक था और इसे सुधारने के लिए कई बार समझाने पर भी पत्नी के हरकतों से बाज न आने पर आरोपी ने ये खौफनाक योजना तैयार की और 27 सितम्बर 2023 को आरोपी ने अपनी पत्नी को भरोसे पर जंगल में लकड़ी लेने बहाने पैदल पैदल हर की पौड़ी से इंडस्ट्रियल एरिया के नजदीक जंगल तक लाया और फिर पहले अपनी पत्नी का गला दबाया और उसके सलवार के नाडे से उसका गला घोंट दिया। इस दौरान चीखने-चिल्लाने की संभावनाओं को खत्म करने के लिए आरोपी ने मृतका के पहने कुर्ते से ही उसका मुंह बांध कर निर्मम हत्या कर दी। इसके बाद आरोपी वापस हर की पौड़ी गया और आस-पड़ोस वालों को पत्नी के चोरी कर भागने की झूठी जानकारी देकर बच्चों सहित घटना के दिन अपने गांव के लिए निकल गया। किसी को शक ना हो इसलिए आरोपी आज वापस हरिद्वार आ गया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

क्लीन एण्ड ग्रीन एन्वायरमेंट सोसायटी द्वारा शंकरपुर गौशाला में किया गया वृक्षारोपण

संवाददाता

देहरादून। क्लीन एण्ड ग्रीन एन्वायरमेंट सोसायटी द्वारा दून एनिमल वेलफेयर तथा नगर निगम द्वारा संचालित शंकरपुर में गौशाला में वृक्षारोपण किया गया।

आज यहां क्लीन एण्ड ग्रीन एन्वायरमेंट सोसायटी द्वारा दून एनिमल वेलफेयर तथा देहरादून नगर निगम द्वारा संचालित की जा रही शंकरपुर गौशाला, सेलाकुई, देहरादून में बृहद वृक्षारोपण अभियान किया गया। इस अवसर पर विभिन्न प्रजातियों के 150 से अधिक फलदार, छायादार तथा विभिन्न प्रकार के फूलो के वृक्षों का रोपण किया गया। लगाए गए वृक्षों मे आम, पिलखन, बरगद, तेजपात, केसिया सामिया, कटहल, नीम, अमरूद, बांस, गुड़हल इत्यादि के वृक्ष शामिल किए गए।

वर्ष 2023 में क्लीन एंड ग्रीन एनवायरमेंट समिति द्वारा किया गया यह 13वां तथा इस मानसून सत्र का अंतिम वृक्षारोपण अभियान है। दून एनिमल वेलफेयर (शंकरपुर गौशाला) ने क्लीन एंड ग्रीन एनवायरनमेंट सोसाइटी के अध्यक्ष एवं संस्थापक राम कपूर से निवेदन किया कि उनकी शंकरपुर गौशाला, सेलाकुई में गोवंश पशुओं के लिए वृक्षों की नितांत आवश्यकता है जिससे गोशाला में मौजूद गाय एवं छोटे बछड़े पेड़ों की छाया में बैठे और आराम करें। उनके इस

निवेदन पर समिति द्वारा शंकरपुर गौशाला में बृहद वृक्षारोपण अभियान किया गया। शंकरपुर गौशाला में 1000 से अधिक गोवंशीय पशु निवास करते हैं जिनमें घायल, बीमार, लोगों द्वारा घरों से निकाले गए, इस तरह के पशु शामिल हैं।

दून एनीमल वेलफेयर समिति एवं नगर निगम देहरादून द्वारा इन सभी पशुओं के रहने, खाने पीने, उपचार की सभी सुविधाए गोशाला में उपलब्ध करा रखी है। इस मानसून सत्र में क्लीन एंड ग्रीन एनवायरमेंट समिति द्वारा लगभग 1300 से अधिक वृक्ष लगाए जा चुके हैं। उक्त वृक्षारोपण अभियान हमारी समिति के सदस्य सुमित खन्ना के बड़े भाई स्वर्गीय अमित खन्ना की याद में उन्हें श्रद्धांजलि देने हेतु आयोजित किया गया, जिनका बीते 26 सितंबर को आकस्मिक निधन हो गया था। समिति द्वारा उनके नाम पर वृक्ष लगाकर श्रद्धांजलि दी गई और दो मिनट का मौन रखा गया। इस वृक्षारोपण अभियान में समिति के अध्यक्ष राम कपूर, उपाध्यक्ष रंदीप अहलूवालिया, कोषाध्यक्ष शम्भू शुक्ला, सचिव जेपी किमोठी, संयोजक नितिन कुमार, अमित चौधरी, टीका बहादुर थापा, दीपक वासुदेवा, विश्वास दत्त, सुमित खन्ना, मंजुला रावत, सोनिया, ज्योति चौधरी, राजेश बाली, रविंदर रैना, प्रवीण, हृदय, सुंदर,अमूल्या, नमित, रेयांश, हरशिल, प्रखर, तथा दून एनिमल वेलफेयर एवं देहरादून नगर निगम द्वारा संचालित शंकरपुर गौशाला की संस्थापक मिली कौर एवं उनके संयोजक अमित मौजूद रहे।

अवैध खनन में चार डम्पर सीज

संवाददाता

हरिद्वार। पुलिस ने अवैध खनन में चार डम्परों को सीज कर उनके खिलाफ कार्यवाही की।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस द्वारा जनपद में अवैध खनन पर अंकुश लगाने हेतु एसएसपी परमेन्द्र डोभाल के द्वारा समस्त थाना प्रभारियों को खनन के खिलाफ कार्यवाही करने के निर्देशित दिये गये थे। जिसके चलते पुलिस द्वारा अपने-अपने क्षेत्र में खनन के खिलाफ कार्यवाही करनी शुरू कर दी। जिस पर कोतवाली लक्सर क्षेत्र में अवैध खनन की धरपकड़ हेतु पुलिस टीम का गठन किया गया। गठित टीम के द्वारा` अवैध

खनन से भरे 04 डंपर को सीज किया गया। एसएसपी परमेन्द्र डोभाल के द्वारा सख्त निर्देश दिये गये हैं कि अपराध के साथ ही अवैध खनन करने वालों को बक्शा नहीं जायेगा।

चोरी की बाइक के साथ दो गिरफ्तार

हरिद्वार(सं)। पुलिस ने चोरी की मोटरसाईकिल के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया।

जानकारी के अनुसार 25 सितम्बर 2023 को राजकुमार पुत्र नेम सिंह निवासी साबितगढ़ जिला बुलन्दशहर द्वारा अपनी मोटर साईकिल चोरी होने पर उत्तराखण्ड पुलिस एप्प के माध्यम से रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। जिस पर कार्यवाही करते हुए पुलिस टीम द्वारा आज 02 गुलशेर पुत्र हसन व सोनू पुत्र बाबू को नहर पटरी रूड़की से चोरी की बाइक के साथ दबोचा गया।

सरकारों ने उत्तराखंड को बना दिया है भ्रष्टाचार की प्रयोगशाला: डा.सचान

संवाददाता

देहरादून। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव डा. सत्यनारायण सचान ने कहा कि राज्य बनने के बाद जो भी सरकारें रही हैं उन्होंने प्रदेश को भ्रष्टाचार की प्रयोगशाला बनाया।

आज यहां परेड ग्राउंड स्थित प्रदेश कार्यालय में पत्रकारों से वार्ता करते हुए सचान ने कहा कि राज्य बनने के बाद से प्रदेश में जो भी सरकारें रही उन्होंने प्रदेश को भ्रष्टाचार की प्रयोगशाला बना दिया। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार की जांच के आयोग भी बने थे परन्तु कार्यवाही नहीं हुई। जिन मुददों को लेकर राज्य बना था कि रोजगार मिलेगा, पलायन

रूकेगा और प्रदेश का विकास होगा लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ।

उन्होंने प्रदेश सरकार से मांग की है कि उत्तराखण्ड समेत पूरे देश में जातीय गणना करायी जाये। उत्तराखण्ड में अन्य पिछडे वर्गो को केवल 14 प्रतिशत का आरक्षण दिया जा रहा है। परन्तु अन्य पिछडे वर्गो में प्रदेश के कई क्षेत्र अन्य पिछडे वर्गो को शामिल कर दिये जाने से इन वर्गो की आबादी 50 प्रतिशत से अधिक हो गयी है परन्तु आरक्षण अब भी 14 प्रतिशत मिल रहा है। राज्य बनने के बाद सबसे अधिक नुकसान अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति को हुआ है। उन्होंने मांग की है कि गैरसैण स्थाई राजधानी घोषित करें तथा पलायन रोकने हेतु तथा सीमावर्ती क्षेत्रों में रिवर्स पलायन की कार्य योजना की घोषणा हो। प्रेसवार्ता में प्रेसवार्ता में अतुल शर्मा, हरदयाल यादव व हुसैन अहमद आदि लोग मौजूद थे।

एक नजर

ऊर्जा विभाग से डेढ़ साल में राजभवन तक नहीं पहुंचे पत्र: नेगी

विकासनगर। जन संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष रघुनाथ सिहं नेगी ने कहा कि झूठा शपथ पत्र देकर नियुक्ति पाने के मामले में राजभवन को दी शिकायत का पत्र डेढ़ साल बाद भी ऊर्जा विभाग तक नहीं पहुंचा है।

आज यहां जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने पत्रकारों से वार्ता करते हुए कहा कि सरकार द्वारा अनिल कुमार को अक्टूबर 2021 में यूपीसीएल का एमडी नियुक्त किया गया था, उक्त अधिकारी ने अपने शपथ पत्र में अपने खिलाफ कोई जांच लंबित न होने का उल्लेख कर एवं सरकार को गुमराह कर एमडी की कुर्सी हथिया ली, जबकि सरकार को इनके काले कारनामों की थोड़ी बहुत जानकारी थी। उक्त अधिकारी के द्वारा नियुक्ति से पूर्व सरकार के समक्ष झूठा शपथ पत्र प्रस्तुत किया गया, जिसको लेकर मोर्चा द्वारा राजभवन को पत्र प्रेषित किया गया था, जिसमें 8 जुलाई 2022 को राजभवन ने सचिव, ऊर्जा को कार्रवाई के निर्देश दिए थे, लेकिन एक वर्ष बाद शासन ने बताया कि राजभवन का पत्र उनको प्राप्त ही नहीं हुआ है। उक्त के उपरांत मोर्चा द्वारा पुन: राजभवन से आग्रह किया गया, जिसके क्रम में राज भवन ने 31 जुलाई 2023 को फिर पत्र सचिव, ऊर्जा को प्रेषित किया, लेकिन ऊर्जा विभाग ने 26 सितंबर 2023 को बताया कि राजभवन से पत्र प्राप्त ही नहीं हुआ है। नेगी ने कहा कि उक्त अधिकारी के खिलाफ ट्रांसफॉर्मर्स की गुणवत्ता/ खरीद मामले में लगभग 3-4 वर्ष से जांच लंबित है, बावजूद इसके इनको एमडी, यूपीसीएल की नियुक्ति प्रदान की गई।

कहा कि सचिव, ऊर्जा द्वारा वर्ष 2019 में इनके घोटाले का संज्ञान लेते हुए इस प्रकरण पर तीनों निगमों के प्रबंध निदेशकों एवं निदेशक (परिचालन) यूपीसीएल की एक संयुक्त कमेटी का गठन करते हुए उक्त घोटाले की जांच रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए थे। मोर्चा ने दुख जताते हुए कहा कि इन हालातों में भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ कैसे करवाई होगी एवं प्रदेश को कैसे बचाया जा सकेगा।

33 लाख की धोखाधड़ी के मास्टरमाइंड सहित दो गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। गिफ्ट भेजने के नाम पर लाखों की धोखधड़ी करने वाले गैंग का खुलासा करते हुए एसटीएफ की साईबर क्राइम पुलिस द्वारा गैंग के मास्टरमाइंड सहित दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के पास से साइबर क्राइम पुलिस द्वारा 14 चैकबुक, 6 पासबुक, 6 एटीएम कार्ड, एक लैपटाप व आधार तथा पैन कार्ड भी बरामद किये गये है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ आयुष अग्रवाल ने धोखाधड़ी की इस वारदात का खुलासा करते हुए बताया कि धोखाधड़ी के एक प्रकरण में कोतवाली लक्सर जनपद हरिद्वार को शिकायत मिली थी। जिसमें शिकायतकर्ता राजकुमार निवासी लक्सर वार्ड नम्बर 5 कोतवाली लक्सर को फेसबुक व वट्सएप के माध्यम से सम्पर्क कर खुद को कैथोलिक नन बताते हुए दोस्ती कर चैट कर व शिकायतकर्ता के काम से प्रभावित होकर गिफ्ट (घड़ी,आईफोन 13, आई पैड, एप्पल लैपटॉप सोनी की माला व 50000 डॉलर) भेजने का लालच देकर पार्सल को इन्टरनैशल एयरपोर्ट पर भिजवाने व पार्सल छुड़वाने हेतु भिन्न-2 ट्रांजेक्शन के माध्यम से कुल 15,71,820 रूपये की धोखाधडी की गयी थी। जिस पर पुलिस ने सम्बन्धित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर इसकी विवेचना मुख्यालय के आदेशानुसार साइबर थाने के सुपुर्द की गयी। साइबर थाना पुलिस द्वारा मामले के आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए एक टीम का गठन किया गया साथ ही जांच शुरू कर दी गयी। विस्तृत तकनीकी जांच के बाद संदिग्ध आरोपियों का बहराइच उ.प्र. से सम्बन्ध होना पाया गया। जिस पर साइबर पुलिस द्वारा अथक प्रयास के बाद इस गैंग के मुख्य सरगना सहित दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया। जिनके नाम शिवम तिवारी (22) पुत्र मुल्कराज तिवारी निवासी ग्राम फकरपुर बहराइच यूपी व रामनरेश (23) पुत्र मिश्री लाल निवासी ग्राम परसीपुरवा थाना मुर्तीआ जनपद बहराइच उ.प्र. बताये गये है। जिनके कब्जे से साइबर क्राइम पुलिस द्वारा घटना में प्रयुक्त 14 चैक बुक विभिन्न बैंको की, 6 पासबुक विभिन्न बैंकों की, 6 एटीएम कार्ड विभिन्न बैंकों के, 1 लैपटॉप एचपी कम्पनी का व आधार कार्ड, पैन कार्ड आदि बरामद किये गये है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ आयुष अग्रवाल द्वारा बताया गया कि आरोपी सोशल मीडिया साईट फेसबुक व व्हटस्एप पर फर्जी प्रोफाईल तैयार कर दोस्ती करते हुए स्वंय को विदेशी नागरिक बताकर महँगे गिफ्टों को भेजने का लालच देकर पार्सल को एयरपोर्ट से छुडाने हेतु विभिन्न शुल्कों के नाम पर धोखाधड़ी से भिन्न-भिन्न लेन देन के माध्यम से धनराशि प्राप्त करते है व धोखाधडी से प्राप्त धनराशि को विभिन्न बैक खातो में प्राप्त कर उक्त धनराशि का प्रयोग करते है।

युवा महोत्सव-2023:देश व राज्य का भविष्य युवाओं की शक्ति पर निर्भर:सीएम

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि देश व राज्य का भविष्य युवाओं की शक्ति पर निर्भर है।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने परेड ग्राउंड देहरादून में आयोजित उत्तराखण्ड युवा महोत्सव-2023 कार्यक्रम में रोजगार प्रयाग पोर्टल का शुभारंभ किया। राज्य में रोजगार के अवसरों को एक ही पोर्टल पर उपलब्ध कराये जाने के उद्देश्य से सरकार द्वारा युवाओं के लिए यह पोर्टल विकसित किया गया है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 'युवा उत्तराखण्ड एप' लांच किया और सेवायोजन कार्यालयों में स्वरोजगार केन्द्रों का शुभारंभ भी किया। विभिन्न विभागों द्वारा संचालित की जा रही योजनाओं को एक ही जगह उपलब्ध कराये जाने के लिए आईटीडीए द्वारा युवा उत्तराखण्ड एप विकसित किया गया है। डिजिटल जानकारी के साथ ही युवाओं को योजनाओं से संबंधित अधिक जानकारी और आवेदन के लिए सभी जनपदों में सेवायोजन कार्यालयों में रोजगार केन्द्र विकसित करने की मुख्यमंत्री द्वारा घोषणा की गई थी। घोषणा के प्रथम चरण में मुख्यमंत्री ने देहरादून एवं उधमसिंहनगर के सेवायोजन कार्यालयों में स्वरोजगार कार्यालयों का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर रोजगार मेलों के माध्यम से चयनित 17 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र भी प्रदान किये और विभिन्न विभागों द्वारा लगाये गये प्रदर्शनियों का अवलोकन भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि देवभूमि के युवा न केवल प्रतिभा संपन्न एवं सामर्थ्यवान हैं, बल्कि मेहनती भी हैं। अनेक क्षेत्रों में हमारे प्रदेश की प्रतिभाओं ने देश और दुनिया में राज्य का नाम रोशन किया है। उन्होंने कहा कि देश और राज्य का भविष्य युवाओं की शक्ति पर निर्भर है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नए भारत का निर्माण हो रहा है, जिसकी मजबूत नींव युवा हैं। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में नया भारत अपने युवा साथियों की सहायता और सहयोग के लिए हमेशा तत्पर है। राज्य में युवाओं के साथ किसी भी स्तर पर अन्याय नहीं होने देंगे। उन्होंने कहा कि सरकार ने नकल विरोधी कानून लागू कर भर्तियों में घोटाले करने वाले दोषियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही कर युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करने का कार्य किया है। रोजगार और स्वरोजगार की दिशा में राज्य सरकार द्वारा अनेक प्रयास किये गये हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 15 दिनों में उनके द्वारा द्वारा करीब एक हजार अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपे गए हैं।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा,मेयर सुनील उनियाल गामा, विधायक श्री खजानदास, श्री बृज भूषण गैरोला आदि मौजूद रहे!

नयार नदी में दिखा शव, एसडीआरएफ ने किया बरामद

संवाददाता

देहरादून। देवप्रयाग मार्ग पर नयार नदी में शव की सूचना मिलते ही एसडीआरएफ टीम ने मौके पर पहुंच शव को बाहर निकाल पुलिस को सौंप दिया।

आज यहां थाना सतपुली द्वारा एसडीआरएफ टीम को सूचित किया गया कि देवप्रयाग मार्ग पर मरोड़ा के पास नयार नदी में एक शव दिखाई दे रहा है जिसे बरामद किए जाने हेतु एसडीआरएफटीम की आवश्यकता है। उक्त सूचना पर शेखर चन्द्र जोशी के हमराह एसडीआरएफ टीम तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना हुई। एसडीआरएफ टीम द्वारा मौके पर पहुँचकर नयार नदी में से उक्त व्यक्ति का शव बरामद कर बॉडी बैग के माध्यम से मुख्य मार्ग तक पहुँचाया व अग्रिम कार्यवाही हेतु राजस्व पुलिस के सुपर्द किया गया। उक्त व्यक्ति की पहचान सुरेंद्र गोस्वामी पुत्र मोहन गिरी गोस्वामी, निवासी ग्राम गोखेड़ा, पो. ओ. रेशोली, पौड़ी गढ़वाल के रूप में हुई जो विगत 4-5 दिनों से घर से लापता चल रहा था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

काशीपुर में कल होगी कुमाऊं मंडल की बैठक: मथुरादत्त

देहरादून। उत्तराखण्ड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा की अध्यक्षता में कुमाऊं मण्डल के सभी जिला एवं महानगर अध्यक्षों की बैठक 10 अक्टूबर को उदयराज हिन्दू इण्टर कॉलेज मानपुर रोड काशीपुर के प्रेक्षागृह में आयोजित की जायेगी।

प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष संगठन एवं प्रशासन मथुरादत्त जोशी ने बताया 10 अक्टूबर 2023 को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा की अध्यक्षता में आयोजित कुमाऊं मण्डल के जिला एवं महानगर अध्यक्षों की बैठक में विभिन्न संगठनात्मक विषयों तथा पार्टी के आगामी कार्यक्रमों पर विस्तार से चर्चा की जायेगी।

मथुरादत्त जोशी ने बताया कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा के निर्देश पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा अक्टूबर माह के अंत में गढ़वाल मण्डल तथा 15 से 25 नवम्बर तक कुमाऊं मण्डल में जिला स्तरीय सम्मेलन करने का भी निर्णय लिया है जिस पर काशीपुर में आयोजित कुमाऊं मण्डल के जिला व महानगर अध्यक्षों की बैठक में विस्तार से चर्चा की जायेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी संगठन द्वारा अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर आयोजित कार्यक्रमों एवं प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा स्थानीय मुद्दों पर किये गये कार्यक्रमों की प्रगति पर भी चर्चा करने के साथ ही आगामी लोकसभा एवं त्रि स्तरीय पंचायत व नगर निगम चुनावों पर विचार-विमर्श किया जायेगा।

प्रदेश उपाध्यक्ष मथुरादत्त जोशी ने बताया कि जिला एवं महानगर कांग्रेस अध्यक्षों की बैठक में भाजपा सरकार की जन विरोधी, उत्तराखंड विरोधी, महिला विरोधी, दलित एवं बेरोजगार विरोधी नीतियों को जनजन तक पहुंचाने के सुझावों पर चर्चा की जायेगी।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।